घटती घटना

सत्य के साथ...जनहित में बात...

www.ghatatighatana.com अम्बिकापुर,वर्ष 22, अंक - 167- रविवार 19 - अप्रैल 2026,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये RNI Reg.No.- CHHHIN/2004/15050,डाक पंजीयन. क्रं. 13/Surguja DN/ 2026-2028

महिला आरक्षण बिल पास नहीं हुआ,माफी मांगता हूं : पीएम मोदी

विपक्ष ने आधी आबादी का अधिकार छीना,उन्हें इस पाप की सजा मिलेगी

नई दिल्ली,18 अप्रैल 2026। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को महिला आरक्षण पर देश को 30 मिनट संबोधित किया। उन्होंने कहा...'इस बिल में संशोधन नहीं हो पाया। मैं सभी माताओं-बहनों से माफी मांगता हूं।'उन्होंने कहा...'मेरे लिए देशहित सर्वोपरि है,जब कुछ लोगों के लिए दल हित सबकुछ हो जाता है,दल हित देश हित से बड़ा हो जाता है। तो नारी शक्ति को ही इसका खामियाजा उठाना पड़ता है।' पीएम ने कहा कि कांग्रेस,टीएमसी,डीएमके जैसे विपक्षी दल इस भ्रूणहत्या के गुनहगार हैं। ये देश के संविधान के अपराधी हैं। नारी शक्ति के अपराधी हैं। जिन लोगों ने आधी आबादी का अधिकार छीना, उन्हें इस पाप की सजा मिलेगी।

लोकसभा में शुक्रवार को महिला आरक्षण से जुड़ा संविधान (131वां संशोधन) बिल पास नहीं हो सका था। इस बिल में लोकसभा सीटों को 543 से बढ़ाकर 816 करने और महिलाओं को 33% आरक्षण देने का प्रस्ताव था।

पीएमने कहा...हमारे पास संख्या बल नहीं था लेकिन हम हारे नहीं है...

पीएमने कहा- ये लड़ाई सिर्फ एक कानून की नहीं है। उनकी हमेशा निगेटिविटी सामने आ जाती है। देश की बहनें-बेटियां कांग्रेस की मानसिकता का करार जवाब देकर रहेंगी। कुछ लोग महिलाओं के सपने टूटने को सरकार की नाकामयबी बता रहे हैं। ये क्रेडिट का सवाल नहीं था। मैंने संसद में भी कहा था कि आप क्रेडिट ले लो। लेकिन महिलाओं को दकियानूसी सोच से देखने वानले अपने झूठ पर अड़े रहे। पीएमने कहा- नारी शक्ति को अधिकारी दिलाने की लड़ाई दशकों से चल रही है।

कितनी बहनों ने पत्र के जरिए मुझे सारी बातें बताई है। मैं जानता हूं महिलाएं दुखी हैं। मैं भी आपके दुख में दुखी हूं। आज भले ही बिल पास कराने के लिए जरूरी 66% वोट न मिला हो लेकिन मैं जानता हूं देश की 100% नारी शक्ति का आशीर्वाद हमारे साथ है।

प्रधानमंत्री बोले...विपक्ष को पाप की सजा जरूर मिलेगी...

पीएमने कहा- जिन दलों ने बिल का विरोध किया, उनसे मैं दो टूक कहूंगा कि ये लोग नारी शक्ति को हल्के में ले रहे हैं। वे भूल रहे हैं कि 21वीं सदी की नारी सब पर नजर रख रही है। वो उनकी मंशा देख रही है। प्रधानमंत्री ने कहा- महिला आरक्षण को रोककर जो पाप विपक्ष ने किया है, इसकी उन्हें सजा जरूर मिलेगी। इन दलों ने संविधान निर्माताओं की भावनाओं का अपमान किया है। जनता की सजा से वे बच नहीं पाएंगे। सदन में यह कानून किसे से कुछ छीन नहीं रहा था। कुछ न कुछ देने का था।

बिल पास होता तो बंगाल,यूपी सभी राज्य की सीटें बढ़तीं

प्रधानमंत्री ने कहा...ये बिल सभी दलों और राज्यों के लिए एक मौका था। एक अवसर था ये बिल पास होता तो बंगाल, यूपी, केरल सभी राज्य की सीटें बढ़तीं। इन लोगों ने अपने राज्यों को धोखा दिया। डीएमके के पास मौका था और ज्यादा लोगों को सांसद विधायक बना सकती थी लेकिन उसने मौका खो दिया। मोदी ने कहा...टीएमसी के पास भी बंगाल के लोगों को आगे बढ़ाने का मौका था लेकिन गंवा दिया। सपा भी महिला विरोध होने के छवि के दाग को कम करने के मौके से चूक गई। सपा ने बिल का विरोध करके लोहिया जी के सपनों को पैरों तले रौंद दिया।

केंद्रीय कर्मचारियों के लिए खुशखबरी!

केंद्र सरकार ने 2 प्रतिशत बढ़ाया महंगाई भत्ता...

नई दिल्ली,18 अप्रैल 2026। केंद्र सरकार ने देश के लाखों कर्मचारियों और पेंशनरों को बड़ी राहत देते हुए महंगाई भत्ते (डीए) में 2 प्रतिशत की बढ़ोतरी को मंजूरी दे दी है। इस फैसले के बाद अब डीए 58 प्रतिशत से बढ़कर 60 प्रतिशत हो गया है। निर्णय के अनुसार,यह बढ़ोत्तरी 1 जनवरी 2026 से प्रभावी होगी। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कैबिनेट बैठक के बाद इसकी जानकारी दी।

50 लाख कर्मचारियों और 69 लाख पेंशनरों को मिलेगा फायदा

इस फैसले का सीधा लाभ देश के करोड़ों लोगों को मिलेगा। सरकार की इस घोषणा से लगभग 50 लाख केंद्रीय कर्मचारियों के साथ-साथ 69 लाख पेंशनरों और पारिवारिक पेंशनभोगियों को फायदा होगा। इससे उनकी मासिक आय में बढ़ोतरी होगी और महंगाई के बीच उन्हें आर्थिक राहत मिलेगी। डीए बढ़ने से कर्मचारियों की मासिक सैलरी और पेंशन में सीधा इजाफा होगा। यह बढ़ोतरी 7वें वेतन आयोग के तहत आने वाले सभी कर्मचारियों और पेंशनरों पर लागू होगी।

महंगाई के असर को कम करने की कोशिश

महंगाई भत्ता (डीए) का मुख्य उद्देश्य कर्मचारियों और पेंशनरों की आय को महंगाई के प्रभाव से

बचाना है। यह बेसिक सैलरी के प्रतिशत के रूप में तय किया जाता है और हर साल दो बार संशोधित किया जाता है। डीए की गणना औद्योगिक श्रमिकों के उपभोक्ता मूल्य सूचकांक के आधार पर की जाती है, जिसे श्रम मंत्रालय के तहत लेबर ब्यूरो हर महीने जारी करता है। पिछली बार केंद्र सरकार ने दीवाली पर कर्मचारियों के महंगाई भत्ते एवं पेंशनरों की महंगाई राहत में तीन फीसदी की बढ़ोतरी की थी। उस समय (अक्तूबर में) डीए को 55% से बढ़ाकर 58% किया गया था, जो 1 जुलाई 2025 से प्रभावी हुआ था। उस बढ़ोतरी का एरियर भी कर्मचारियों और पेंशनर्स को दिया गया था, जिससे उन्हें अतिरिक्त लाभ मिला था।

कांग्रेस समेत सभी विपक्षी दल महिला अधिकारों के खिलाफ : भाजपा

नई दिल्ली,18 अप्रैल 2026। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने संविधान संशोधन विधेयक के संसद में पारित नहीं हो पाने के लिए शनिवार को कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों की आलोचना की। परिसीमन को सीटों के पुनर्निर्धारण का अभिन्न अंग बताते हुए उन्होंने कहा कि वर्तमान 543 सीटों पर ही महिला आरक्षण देने से दक्षिण के राज्यों की सीटें घट जाएंगी। पार्टी ने कहा कि कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों ने जहां महिलाओं की राजनीतिक आकांक्षाओं को कुचलने का 'जश्न' मनाया, जबकि भाजपा महिलाओं को उनका अधिकार दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है। भाजपा के वरिष्ठ नेता रविशंकर प्रसाद और स्मृति ईरानी ने शनिवार को पार्टी मुख्यालय में संयुक्त पत्रकार वार्ता को संबोधित किया। रविशंकर प्रसाद ने कांग्रेस और उसकी नेता प्रियंका गांधी वाड्रा के बयान पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि महिलाओं को 'इस्तेमाल' की वस्तु बताने वाली भाषा अस्वीकार्य है और इसकी कड़ी निंदा की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत की महिलाएं कोई वस्तु नहीं हैं, बल्कि उन्हें सम्मान और अधिकार मिलना चाहिए। प्रसाद ने महिला आरक्षण और परिसीमन के मुद्दे पर भी कांग्रेस के दावों को खारिज किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि संविधान के अनुच्छेद 81(2) के अनुसार लोकसभा सीटों का आवंटन जनसंख्या के आधार पर होता है और बिना परिसीमन के सीटों का पुनर्निर्धारण संभव नहीं है। गृहमंत्री अमित शाह ने संकेत दिया है कि लोकसभा सीटों की संख्या 543 से बढ़ाकर लगभग 850 की जा सकती है, जिससे 33 प्रतिशत आरक्षण प्रभावी ढंग से लागू हो सके।

संसद में विधेयक पर भाजपा की हार मोदी सरकार के पतन की शुरुआत : ममता

कोलकाता,18 अप्रैल 2026। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी ने दावा किया है कि डिलिमिटेशन (परिसीमन) विधेयक को लेकर संसद में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की हार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार के पतन की शुरुआत है। उन्होंने कहा कि भाजपा देश के राज्यों के साथ राजनीतिक लाभ के लिए लोकसभा सीटों के पुनर्निर्धारण की साजिश कर रही थी, जिसे विपक्ष ने मिलकर विफल कर दिया। हावड़ा जिले के पांचला क्षेत्र में आयोजित चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए ममता बनर्जी ने कहा कि पश्चिम बंगाल में चुनाव होने के बावजूद तृणमूल कांग्रेस के सांसद संसद पहुंचे और विधेयक का विरोध करते हुए मतदान किया। उन्होंने कहा कि विपक्षी एकजुटता में उनकी पार्टी की महत्वपूर्ण भूमिका रही। ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि महिला आरक्षण विधेयक के नाम पर केंद्र सरकार वास्तव में डिलिमिटेशन का एजेंडा आगे बढ़ाना चाहती थी। उन्होंने दावा किया कि भाजपा लोकसभा की मौजूदा 543 सीटों को बढ़ाकर लगभग 850 करना चाहती थी, ताकि राजनीतिक समीकरण अपने पक्ष में बदले जा सकें। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में चुनाव प्रचार के बावजूद उनसे 20 सांसद भेजने को कहा गया था, लेकिन उन्होंने 21 सांसद दिल्ली भेजे।

ममता को हटाना होगा,नहीं तो बंगाल हाथ से निकल जाएगा : हिमंत बिस्वा सरमा

कोलकाता,18 अप्रैल 2026। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्वा सरमा ने शनिवार को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री व तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि राज्य की सरकार संसाधनों का उपयोग अवैध घुसपैठियों के लिए कर रही है। उन्होंने कहा कि यदि ममता बनर्जी को सत्ता से नहीं हटाया गया तो भविष्य में बंगाल हाथ से निकल सकता है। कलिम्पोंग में आयोजित एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए हिमंत बिस्व सरमा ने दावा किया कि असम और त्रिपुरा में उनकी पार्टी की सरकारों ने बांग्लादेशी घुसपैठियों की एंट्री रोकी है, जबकि पश्चिम बंगाल में अवैध प्रवेश जारी है। उन्होंने आरोप लगाया कि ममता बनर्जी ने वोट बैंक की राजनीति के लिए राज्य के खजाने को घुसपैठियों के लिए खोल दिया है।

सीटें बढ़ाना सत्ता में बने रहने की साजिश थी...हमें महिला विरोधी कहकर मसीहा नहीं बन सकते, खुश हूं कि विपक्ष ने विरोध किया : प्रियंका

नई दिल्ली,18 अप्रैल 2026। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने शनिवार को कहा, 'कल लोकसभा में जो हुआ वो लोकतंत्र की बहुत बड़ी जीत है। सरकार परिसीमन और महिला आरक्षण के जरिए सत्ता में बने रहने की साजिश कर रही थी।' उन्होंने कहा, 'मैं बहुत खुश हूं कि लोकसभा में सीटें बढ़ाने के लिए लाया गया बिल गिर गया। सत्ता पक्ष हमें महिला विरोधी कहकर मसीहा नहीं बन सकता।'

प्रियंका बोलीं...मीडियाबाजी और पीआर अब नहीं चलेगा

प्रियंका ने कहा- आज की महिलाओं की समस्याएं बढ़ रही हैं, संघर्ष बढ़ रहा है। बेवकूफ नहीं हैं महिलाएं। वो सब कुछ देख

रही हैं। मीडियाबाजी,पीआर...अब नहीं चलेगी। कुछ ठोस करना है तो आप 2023 में जो सर्व सहमति से जो विधेयक पारित हुआ था, सारे दलों ने उसका समर्थन किया था, उसे लाइए। उसमें अगर कुछ एकाध संशोधन करना है तो करिए उसे अभी लागू करिए। महिलाओं को हक दीजिए। लेकिन उसको आप घुमाकर दूसरी चीजों से जोड़कर गुमराह करने की कोशिश मत कीजिए। हम सब तैयार हैं।

विपक्ष को महिला विरोधी बताकर मसीहा बनना चाहते थे : प्रियंका

प्रियंका ने कहा- मेरे ख्याल से पूरी साजिश जो रची गई वह इसलिए कि हमें सत्ता में रहना है। वह अभी नहीं किया जाएगा परिसीमन 2029 तक नहीं हो पाएगा। वह महिलाओं के नाम पर किया जा रहा था। ताकि हमें स्वतंत्रता मिल जाए सत्ता में बने रहने की। उन्होंने सोचा पारित हो जाएगा तो जीत नहीं होता तो हम हर नेता को महिला विरोधी साबित करके महिलाओं के लिए मसीहा बन जाएंगे। महिलाएं देख रही हैं। उन्नाव हाथरस,मणिपुर में देखा...आप संसद में खड़े होकर कह रहे हैं कि आप उनके मसीहा बनना चाहते हैं। यह साफ है कि यह महिलाओं के लिए नहीं परिसीमन के लिए था। मैं खुश हूं कि विपक्ष ने उनका विरोध किया। ब्लैक डे उनके लिए है क्योंकि उन्हें धक्का लगा है कि यह हो कैसे गया।

प्रियंका बोलीं...सरकार की साजिश को हमने रोका

प्रियंका ने कहा...कल जो हुआ वो लोकतंत्र की बहुत बड़ी जीत है। जो सरकार की साजिश थी,लोकतंत्र को कमजोर करने की उसे रोका गया। ये संविधान की देश की और विपक्ष की एकता की जीत थी। पीएम ने कई बार अपने भाषण में कहा कि अगर आप इससे सहमत नहीं होंगे तो आप यहां नही बैठ सकते है। हम चौंके थे कि इनकी मंशा क्या थी। किसी को एक दिन पहले तक नहीं मालूम था कि क्या होने वाला है। हम सोच रहे थे क्या हो रहा है और क्यों हो रहा है। किसी को एक दिन पहले तक नहीं मालूम था कि क्या होने वाला है। हम सोच रहे थे क्या हो रहा है और क्यों हो रहा है।

महिला आरक्षण बिल...'हमने उन्हें हरा दिया' : चुपके से परिसीमन बदलना चाहती थी सरकार : राहुल

तमिलनाडु,18 अप्रैल 2026। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने तमिलनाडु के पोंनेरी में एक जनसभा को संबोधित करते हुए परिसीमन से जुड़े हालिया संसदीय घटनाक्रम को लेकर केंद्र सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने दावा किया कि यह कदम तमिलनाडु समेत दक्षिणी राज्यों के संसदीय प्रतिनिधित्व को कम करने की एक छिपी हुई रणनीति का हिस्सा है। तिरुवल्लुर जिले में आयोजित रैली में राहुल गांधी ने कहा कि संसद में लाया गया हालिया विधेयक भले ही महिला आरक्षण के नाम पर प्रस्तुत किया गया हो, लेकिन इसके पीछे वास्तविक उद्देश्य परिसीमन के जरिए दक्षिणी और छोटे राज्यों की राजनीतिक ताकत को कमजोर करना था। उन्होंने कहा कि हमने इसे संसद में हराया। आगामी चुनावों को लेकर राहुल गांधी ने इंडी गठबंधन की ओर से केंद्र के केंद्रीकरण के प्रयासों का विरोध करने का संकल्प दोहराया। उन्होंने कहा कि दिल्ली से तमिलनाडु को नियंत्रित करने की कोशिश नहीं होने देंगे। राज्य अपने भविष्य का फैसला खुद करेगा। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव 23 अप्रैल को एक चरण में होंगे, जबकि मतगणना 4 मई को होगी। इस बार मुकाबला मुख्य रूप से डीएमके-नेतृत्व वाले गठबंधन और एनडीए के बीच माना जा रहा है। वहीं, अभिनेता-राजनेता विजय की पार्टी भी चुनाव को त्रिकोणीय बनाने की कोशिश में है।

भाजपा कर रही तमिल पहचान पर हमला

राहुल गांधी ने अपने भाषण में आरएसएस और भाजपा पर तमिलनाडु की भाषा, संस्कृति और पहचान को निशाना बनाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि मैं तमिलनाडु में पैदा नहीं हुआ, लेकिन यहां के लोगों से मेरा गहरा रिश्ता है। तमिल भाषा और संस्कृति पर हमला करना अस्वीकार्य है। उन्होंने अपने राजनीतिक दृष्टिकोण को स्पष्ट करते हुए कहा कि भारत राज्यों का संघ है, जहां हर राज्य को बराबर महत्व और अपनी भाषा-संस्कृति को संरक्षित करने का अधिकार होना चाहिए। प्रधानमंत्री के एक राष्ट्र,एक नेता,एक भाषा' जैसे विचारों की आलोचना करते हुए उन्होंने कहा कि यह संविधान की मूल भावना के खिलाफ है।

तमिलनाडु में भीषण सड़क हादसा बस दुर्घटना में 9 शिक्षकों की मौत

चेन्नई,18 अप्रैल 2026। तमिलनाडु के सेलम जिले में शनिवार को हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे ने पूरे देश को झकझोर दिया। सेलम-कोयंबटूर नेशनल हाईवे पर एक सरकारी बस के अनियंत्रित होकर कई वाहनों से टकराने और खाई में गिरने से कम से कम 9 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में सभी केरल के निवासी और पेशे से शिक्षक बताए जा रहे हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, बस कोयंबटूर से सेलम की ओर जा रही थी। रास्ते में 13वें हेयरपिन मोड़ पर चालक बस से नियंत्रण खो बैठा, जिसके बाद बस सड़क से उतर गई। अनियंत्रित बस ने पहले एक दोपहिया वाहन और एक ऑटो-रिक्शा को टक्कर मारी,जिनमें करीब 10 लोग सवार थे। इसके बाद बस नीचे की ओर फिसलते हुए 9वें हेयरपिन मोड़ के पास खाई में गिर गई। बस में पेरिनथलमान्ना

से आए 13 पर्यटक सवार थे। इनमें से 8 लोगों (1 पुरुष और 7 महिलाएं) की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 5 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों में बस चालक,दो किशोर और दो महिलाएं शामिल थीं। सभी घायलों को तुरंत पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उपचार के दौरान एक और व्यक्ति की मौत हो गई, जिससे मृतकों की संख्या बढ़कर 9 हो गई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हादसे पर गहरा दुःख जताते हुए पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

केंद्र ने 24,815 करोड़ की दो मल्टी-ट्रैकिंग रेलवे परियोजनाओं को दी मंजूरी

नई दिल्ली,18 अप्रैल 2026। केंद्रीय कैबिनेट ने उत्तर प्रदेश और आंध्र प्रदेश के 15 जिलों को कवर करने वाली दो मल्टी-ट्रैकिंग रेल परियोजनाओं को मंजूरी दी है,जिससे भारतीय रेलवे के मौजूदा नेटवर्क में लगभग 601 किलोमीटर की वृद्धि होगी। इनकी कुल अनुमानित लागत लगभग 24,815 करोड़ रुपये है। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार को संवाददाता सम्मेलन में कैबिनेट के फैसलों को जानकारी देते हुए बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई आर्थिक मामलों की कैबिनेट समिति (सीसीईए) की बैठक में रेल मंत्रालय की दो महत्वपूर्ण मल्टीट्रैकिंग परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है। इन परियोजनाओं की कुल लागत लगभग 24,815 करोड़ रुपये है और इनके जरिए उत्तर प्रदेश और आंध्र प्रदेश के 15 जिलों में रेल नेटवर्क का बड़ा विस्तार किया जाएगा। इस पहल से करीब 601 किलोमीटर रूट और 1,317 किलोमीटर ट्रैक लंबाई में वृद्धि होगी, जिससे रेल संचालन अधिक तेज,सुरक्षित और विश्वसनीय बन सकेगा। वैष्णव ने बताया कि उत्तर प्रदेश में गाजियाबाद से सीतापुर तक तीसरी और चौथी लाइन (403 किमी) बिछाई जाएगी, जिसकी अनुमानित लागत 14,926 करोड़ रुपये है। यह परियोजना दिल्ली-गुवाहाटी हाई डेंसिटी नेटवर्क का अहम हिस्सा है और इसके तहत नए स्टेशनों का निर्माण भी किया जाएगा। यह लाइन उन इलाकों से होकर गुजरेगी जहां मौजूदा रेल नेटवर्क पर दबाव 168 प्रतिशत तक पहुंच चुका है और भविष्य में इसके 200 प्रतिशत से अधिक होने की संभावना है।

ईरान ने बंद किया होर्मुज का रास्ता,बोला...अमेरिका ने वादा तोड़ा

नई दिल्ली,18 अप्रैल 2026। मध्य पूर्व में तनाव एक बार फिर बढ़ गया है। ईरान ने रणनीतिक रूप से बेहद अहम होर्मुज जलडमरूमध्य पर दोबारा सख्त सैन्य नियंत्रण लागू कर दिया है। यह फैसला अमेरिका द्वारा ईरानी बंदरगाहों की कथित घेराबंदी के जवाब में लिया गया है। पहले ईरान ने इस मार्ग को सीमित रूप से खोलने का संकेत दिया था, लेकिन हालात तेजी से बदल गए। ईरानी सरकारी मीडिया के मुताबिक, तेहरान ने सद्भावना दिखाते हुए तेल टैंकरों को गुजरने की अनुमति दी थी। लेकिन ईरान का आरोप है कि अमेरिका ने अपने वादे तोड़े और समुद्री गतिविधियों में दखल जारी रखा। इसके बाद ईरान ने कड़ा रुख अपनाते हुए इस अहम समुद्री मार्ग को अपने सशस्त्र बलों के सीधे नियंत्रण में ले लिया। अमेरिका के

होर्मुज से गुजर रहे भारतीय जहाजों पर फायरिंग, ईरानी गनबोट्स ने चेतावनी भी नहीं दी,जहाज स्ट्रेट पार किए बिना लौटे

होर्मुज स्ट्रेट से गुजर रहे दो भारतीय व्यापारी जहाजों पर शनिवार दोपहर गोलीबारी हुई। इसमें एक तेल जहाज भी था। ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड की दो गनबोट्स टैंकर्स के पास आई और बिना रेडियो चेतावनी फायरिंग शुरू कर दी। इसके बाद दोनों भारतीय जहाज होर्मुज पार किए बिना लौट गए। जहाज और उसके क्रू मेंबर सुरक्षित हैं। एक भारतीय जहाज लगभग 20 लाख बैरल इराकी तेल लेकर जा रहा था। घटना के बाद भारत के विदेश मंत्रालय ने शनिवार को भारत में तैनात ईरान के राजदूत डॉ. मोहम्मद फथअली को तलब किया। भारत ने फायरिंग पर विरोध दर्ज किया है।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर कहा कि ईरानी बंदरगाहों की घेराबंदी तब तक जारी रहेगी,जब तक कोई बड़ा समझौता नहीं हो जाता। इस पर ईरान की संसद के अध्यक्ष एमबी गालिबाफ ने तीखी प्रतिक्रिया दी और साफ किया कि हर जहाज को ईरान की अनुमति के बाद ही गुजरने दिया जाएगा।

वैश्विक तेल सप्लाई पर असर

होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया के करीब 20% तेल आपूर्ति का प्रमुख रास्ता है। इसके बंद होने से वैश्विक बाजार में हलचल तेज हो गई है। पहले इसके खुलने की खबर से राहत मिली थी,लेकिन अब दोबारा सख्ती ने तेल कीमतों और सप्लाई को लेकर चिंता बढ़ा दी है।

संपादकीय

खतरनाक ढंग से विभाजित होती दुनिया

हाल में सैमुअल पी.हंटिंगटन की पुस्तक 'क्लैश ऑफ सिविलाइजेशन्स' फिर से पढ़ी...वे लिखते हैं, सोवियत संघ के विघटन के बाद विश्व एकधुवीय हो गया है...आने वाले समय में संघर्ष राष्ट्रों के बीच नहीं,बल्कि सभ्यताओं के बीच होगा...

फिलहाल अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच युद्ध जारी है। अमेरिका और ईरान,दोनों ने इसका श्रेय पाकिस्तान को दिया। बाद में यह स्पष्ट हुआ कि पाकिस्तान की भूमिका मुख्यतः संदेशवाहक की थी। इस पर भारत की भूमिका को लेकर भी चर्चा हुई और कुछ हलकों में यह आलोचना सामने आई कि उसकी भूमिका को पर्याप्त मान्यता नहीं मिली।

हालांकि पाकिस्तान सुन्नी बहुल है,जबकि ईरान शिया बहुल। इसके बावजूद इस दौरान कुछ देशों ने कहा कि वे स्वयं को शिया या सुन्नी के रूप में नहीं,बल्कि व्यापक रूप से मुसलमान के रूप में देखते हैं और वैश्विक स्तर पर उनके हित परस्पर जुड़े हुए हैं। इसी संदर्भ में कश्मीर में ईरान के समर्थन में धन एकत्र करने की गतिविधियां सामने आई,जबकि भारत का इस संघर्ष से कोई संबंध नहीं।

हाल में सैमुअल पी. हंटिंगटन की पुस्तक'क्लैश ऑफ सिविलाइजेशन्स' फिर से पढ़ी। वे लिखते हैं,सोवियत संघ के विघटन के बाद विश्व एकध्रुवीय हो गया है। आने वाले समय में संघर्ष राष्ट्रों के बीच नहीं,बल्कि सभ्यताओं के बीच होगा। महाशक्तियों के बीच की प्रतिस्पर्धा सभ्यताओं के टकराव के रूप में प्रकट होगी। सभ्यताओं का यह संघर्ष विश्व शांति के लिए सबसे बड़ा खतरा बन सकता है। यह संघर्ष किसी एक देश या क्षेत्र तक सीमित नहीं रहेगा,बल्कि व्यापक स्तर पर फैल सकता है।

आज लोग आधुनिक पहचान के साथ-साथ अपनी पारंपरिक पहचान को भी पुनः खोज रहे हैं। इसी कारण वे नई परिस्थितियों के साथ-साथ पुराने द्वंद्वों को भी बनाए हुए हैं और उन्हें भूलने के लिए तैयार नहीं हैं। भविष्य में संघर्ष केवल आर्थिक असमानताओं जैसे-अमीर और गरीब के बीच तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि विभिन्न सभ्यताओं के बीच अधिक तीव्र रूप में सामने आएगा। यह इतिहास का एक अत्यंत जटिल और चुनौतीपूर्ण दौर हो सकता है। सभ्यताओं के रूप में वे पश्चिमी,दक्षिणअमेरिकी,अफ्रीकी,इस्लामिक,सिनिक,हिंदू,आर्थोडाक्स, बौद्ध और जापानी सभ्यताओं का उल्लेख करते हैं।

अनंत समृद्धि का दिन है अक्षय तृतीया

रमेश सर्राफधमोरा
झंझुनू,राजस्थान

हमारे देश में समय-समय पर बहुत से त्यौहार मनाये जाते हैं। इसलिए हमारे देश को त्योहारों का देश भी कहते है। हिन्दू धर्मावलम्बियों के प्रमुख त्योहारों में से एक अक्षय तृतीया है जिसे हम आखा तीज भी कहते हैं। अक्षय तृतीया देश भर में हिंदुओं द्वारा मनाए जाने वाले सबसे पवित्र और शुभ दिनों में से एक है। माना जाता है कि इस दिन से जो भी कार्य इस शुरू होता है वो हमेशा पूर्ण होता है। यह त्यौहार हर वर्ष वैशाख महीने में शुक्ल पक्ष के तृतीया को आता है। इस वर्ष अक्षय तृतीया 19 अप्रैल को है।

अक्षय तृतीया को शादी का अबूझ मुहुर्त माना जाता हैं। क्योंकि इस दिन शुभ कार्य करने के लिए मुहूर्त नहीं देखना पड़ता। इसी कारण अक्षय तृतीया को बहुत अधिक शादियां होती हैं। अक्षय तृतीया का पर्व बसंत और ग्रीष्म के संधिकाल का महोत्सव है। इस तिथि में गंगा स्नान,पितरों का तिल व जल से तर्पण और पिंडदान भी पूर्ण विश्वास से किया जाता है जिसका फल भी अक्षय होता है। इस तिथि की गणना युगादि तिथियों में होती है। क्योंकि सतयुग की समाप्ती पर त्रेतायुग का आरंभ इसी तिथि से हुआ है।

माना जाता है कि इस दिन भगवान विष्णु ने परशुराम के रूप में जन्म लिया था। इसीलिये इस दिन को परशुराम जयंती के रूप में मनाते हैं। मान्यता है कि आखा तीज के दिन राजा भागीरथ गंगा नदी को पृथ्वी पर लाये थे। अक्षय तृतीया के दिन भगवान विष्णु तथा उनकी धर्मपत्नी लक्ष्मी जी की पूजा की जाती है। आखा तीज के दिन ही देवी अन्नपूर्णा का जन्म भी हुआ था। यह वह दिन था जब भगवान कृष्ण ने अपनी सारी संपत्ति और सौभाग्य अपने गरीब मित्र सुदामा को दे दिया था। अक्षय तृतीया के दिन श्रद्धेय ऋषि वेद व्यास ने महाभारत की रचना शुरू की थी। और पुराणों के अनुसार यह दिन त्रेता युग की शुरुआत का प्रतीक है। जो मानव जाति के चार युगों या युगों में से दूसरा है।

अक्षय तृतीया वैशाख महीने में शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को मनाया जाता है। हिंदू शास्त्रों और पुराणों के अनुसार चार युग का चक्र होता है, जिसे सतयुग, त्रेतायुग, द्वापरयुग और कलियुग के नाम से जाना जाता है। अक्षय तृतीया के दिन सतयुग जिसे इंसान के जीवन का सुनहरा दौर कहा जाता है वो समाप्त हो जाता है और त्रेतायुग शुरू हो जाता है। इसलिए अक्षय तृतीया को युगादि तिथि भी कहा जाता है। हिंदू परिवारों के लिए यह दिन बहुत ज्यादा महत्व रखता है।

अक्षय शब्द का अर्थ होता है कभी न मिटने या कम होने होने वाला। संस्कृत में अक्षय (अक्षय) शब्द का अर्थ समृद्धि,आशा,खुशी,सफलता होता है। जबकि तृतीया का अर्थ है चंद्रमा का तीसरा चरण। इसका नाम हिंदू कैलेंडर में वैसाख के वसंत महीने के तीसरे चंद्र दिवस के नाम पर रखा गया है। इस त्योहार को हम अपनी भाषा में आखातीज नाम से भी जानते हैं। जिसका अर्थ होता है जो कभी खत्म ना होने वाला। इसलिए माना जाता है की यह दिन हमारे लिए वस्तुओं की खरीदारी का सबसे शुभ दिन माना जाता है। अक्षय शब्द का अर्थ होता है जो कभी खत्म न हो। इसी कारण इस दिन किए गए सभी अच्छे कार्यों,जैसे जप,यज्ञ, दान-पुण्य, का पुण्य कभी भी समाप्त नहीं होता। माना जाता है कि अक्षय तृतीया का दिन व्यक्ति को अनंत सुख और समृद्धि की प्राप्ति करता है। इस दिन जितने पुण्य किए जाए उतने हमें हमारे लिए कम है। जैन धर्म में अक्षय तृतीया एक महत्वपूर्ण तिथि है जिसे दान और पुण्य कार्य करने के लिए विशेष रूप से शुभ माना जाता है। इस दिन भगवान ऋ षभदेव (प्रथम तीर्थंकर) ने एक वर्ष की तपस्या के बाद गन्ने के रस से पारणा किया था इसलिए इस दिन को अक्षय तृतीया के रूप में मनाया जाता हैं। अक्षय तृतीया के दिन यूं तो आप किसी भी देवी-देवता की पूजा कर सकते हैं। लेकिन विशेष रूप से इस दिन माता लक्ष्मी,भगवान गणेश और धन के देवता कुबेर की पूजा करने का विधान है। अन्य त्योहारों की तरह इस त्यौहार में भी दीपक जलाते हैं। इस दिन किया गया परोपकार हमारे लिए जीवन को सुखी बना देता हैं। इसीलिए इस दिन लोग गरीबों को भोजन कराते हैं तथा उनकी सहायता करते हैं।

माना जाता है कि इस दिन किए गए पुण्य हमारे लिए स्वर्ग में जगह बनाते हैं। इस दिन कई लोग जागरण रखकर हवन करते हैं तथा गरीबों को दान देते हैं। कई लोग अपने नए घर में मुहूर्त के हिसाब से प्रवेश करते हैं। अक्षय तृतीया का पौराणिक महत्व भी है। मान्यता है कि इसी दिन सतयुग और त्रेता युग का आरंभ हुआ था। द्वापर युग का समापन और महाभारत युद्ध का समापन भी इसी तिथि को हुआ था। देश के अनेक हिस्सों में इस तिथि का अलग-अलग महत्व है। जैसे उड़ीसा और पंजाब में इस तिथि को किसानों की समृद्धि से जोड़कर देखा जाता है। तो बंगाल में इस दिन गणपति और लक्ष्मीजी की पूजा का विधान है। इतना पवित्र पर्व होने के उपरांत भी इस दिन बड़ी संख्या में होने वाले बाल विवाह इस पर्व के महत्व को कम करते हैं। अबूझ सावा मानकर बड़ी संख्या में लोग अपने नाबालिक बच्चों की इस दिन शादी कर देते हैं। कम उम्र के बच्चों के विवाह रोकने के लिए इस दिन प्रशासन को विशेष इंतजाम करने पे ते हैं। राजस्थान सहित कई प्रदेशों में तो अक्षय तृतीया का दिन बाल विवाह के लिए बदनाम हो चुका है। विकास के दौर में बाल विवाह एक नासूर के समान है। देश में हर व्यक्ति को शिक्षित करने की मुहिम चल रही है। हर व्यक्ति को उत्तम स्वास्थ्य सुविधा प्रदान करने के प्रयास किए जा रहे हैं। ऐसे में बाल विवाह होना समाज के माथे पर एक कलंक के समान है।

देश में अक्षय तृतीया (आखा तीज) पर हर वर्ष हजारों की संख्या में बाल विवाह किए जाते हैं। तमाम प्रयासों के बाबजूद हमारे देश में बाल विवाह जैसी कुप्रथा का अन्त नही हो पा रहा है। भारत में बेटी-बचाओ-बेटी पढ़ाओ जैसे अभियान के शुरू होने के बावजूद एक नाबालिग बेटी की जबर्दस्ती शादी करा दी जा रही है। बाल विवाह मनुष्य जाति के लिए एक अभिशाप है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हर जगह बेटी बचावो बेटी पे ाओ का नारा देते हैं। देश के सभी प्रदेशों में बेटियां शिक्षित हो रही है। ऐसे में समाज को आगे आकर कम उम्र में लड़कियों के होने वाले बाल विवाह रुकवाने के प्रयास करने होंगे। ऐसे पवित्र दिन का महत्व बनाए रखने के लिए समाज को इस दिन होने वाली कुरीतियों पर रोक लगाकर एक सकारात्मक संदेश देना होगा। तभी सार्थकता बनी रह पाएगी।

जब थालियाँ भरकर फेंकी जाती हैं और गरीब लोग खाली पेट सोते हैं...

डॉ. सत्यवान सौरभ
बड़वा भिवानी,हरियाणा

विश्व एक ऐसे विरोधाभास के बीच खड़ा है,जहां एक ओर भारी मात्रा में खाद्य पदार्थ बर्बाद हो रहे हैं और दूसरी ओर करोड़ों लोग भूख से जूझ रहे हैं...यह केवल विडंबना नहीं,बल्कि हमारी वर्तमान खाद्य व्यवस्था की गहरी खामियों का संकेत है...एक ओर उत्पादन में निरंतर वृद्धि हो रही है,तो दूसरी ओर वितरण,भंडारण और उपभोग के स्तर पर इतनी बड़ी असमानता है कि भोजन जरूरतमंद तक पहुँच ही नहीं पाता...यही कारण है कि वैश्विक स्तर पर खाद्य अपशिष्ट और भूख साथ-साथ मौजूद हैं...

भारत की स्थिति इस वैश्विक परिदृश्य का एक महत्वपूर्ण उदाहरण प्रस्तुत करती है। देश में पर्याप्त मात्रा में खाद्यान्न उत्पादन होने के बावजूद भूख और कुपोषण की समस्या बनी हुई है। हाल के वर्षों में कुछ सुधार अवश्य दर्ज किया गया है,लेकिन यह सुधार इतना सीमित है कि इसे संतोषजनक नहीं कहा जा सकता। बड़ी संख्या में लोग आज भी पर्याप्त पोषण से वंचित हैं और बच्चों में कुपोषण के आंकड़े चिंता पैदा करते हैं। यह स्थिति स्पष्ट रूप से दर्शाती है कि समस्या उत्पादन की कमी नहीं,बल्कि संसाधनों के प्रबंधन और वितरण की अक्षमता है।

खाद्य अपशिष्ट की समस्या केवल आर्थिक नहीं,बल्कि सामाजिक और पर्यावरणीय भी है। जब भोजन बर्बाद होता है,तो उसमें प्रयुक्त जल, ऊर्जा और श्रम भी व्यर्थ चला जाता है। साथ ही,सड़े-गले खाद्य पदार्थों से निकलने वाली गैसें पर्यावरण को नुकसान पहुँचाती हैं। इस प्रकार खाद्य अपशिष्ट जलवायु परिवर्तन को भी बढ़ावा देता है। यह एक ऐसा दुष्चक्र है, जिसमें संसाधनों की बर्बादी और पर्यावरणीय क्षति दोनों शामिल हैं।

इस समस्या की जड़ें उत्पादन से लेकर उपभोग तक फैली हुई हैं। कृषि स्तर पर ही बड़ी मात्रा में फसलें नष्ट हो जाती हैं। इसका कारण अक्सर उचित भंडारण सुविधाओं का अभाव, परिवहन में देरी,और प्राकृतिक आपदाएँ होती हैं। विशेष रूप से फल और सब्जियाँ,जो जल्दी खराब हो जाती हैं,सबसे अधिक प्रभावित होती हैं। किसानों के पास पर्याप्त कोल्ड स्टोरेज सुविधाएँ नहीं होतीं,जिसके कारण उन्हें या तो जल्दी बेचने के लिए मजबूर होना पड़ता है या फिर उनकी उपज खराब हो जाती है। इससे न केवल किसानों को आर्थिक नुकसान होता है, बल्कि खाद्य आपूर्ति भी प्रभावित होती है।

आपूर्ति श्रृंखला की कमजोरियाँ इस समस्या को और गंभीर बना देती हैं। उत्पादन और उपभोग के बीच कई

चरण होते हैं,जिनमें हर स्तर पर हानि की संभावना रहती है। परिवहन, भंडारण और वितरण की अपर्याप्त व्यवस्था के कारण बड़ी मात्रा में खाद्यान्न बाजार तक पहुँचने से पहले ही नष्ट हो जाता है। कई बार बाजारों में अधिक आपूर्ति होने के कारण भी खाद्य पदार्थ फेंक दिए जाते हैं,क्योंकि उन्हें संग्रहित करने या दूसरे स्थान पर भेजने की उचित व्यवस्था नहीं होती। उपभोक्ता स्तर पर भी स्थिति कम चिंताजनक नहीं है। घरों,होटलों और आयोजनों में भोजन की बर्बादी आम बात है। लोग अक्सर आवश्यकता से अधिक भोजन खरीदते हैं और फिर उसका पूरा उपयोग नहीं कर पाते। समाप्ति तिथि को लेकर अत्यधिक सतर्कता भी कई बार अनावश्यक बर्बादी का कारण बनती है। विवाह और अन्य सामाजिक आयोजनों में तो यह समस्या और अधिक स्पष्ट दिखाई देती है,जहाँ प्रतिष्ठा के नाम पर आवश्यकता से कहीं अधिक भोजन तैयार किया जाता है,जिसका बड़ा हिस्सा अंततः कूड़े में चला जाता है।

इस पूरे परिदृश्य में नीतिगत और संस्थागत कमियाँ भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। अधिकांश सरकारी नीतियाँ उत्पादन बढ़ाने पर केंद्रित हैं, जबकि अपशिष्ट प्रबंधन पर अपेक्षाकृत कम ध्यान दिया जाता है। कोल्ड चेन और भंडारण अवसंरचना में निवेश पर्याप्त नहीं है,और जो योजनाएँ हैं, उनका प्रभाव भी सीमित है। इसके अलावा,खाद्य अपशिष्ट को कम करने के लिए कोई सख्त नियम या दंडात्मक प्रावधान भी व्यापक रूप से लागू नहीं किए गए हैं। यह स्थिति दर्शाती है कि समस्या को समग्र दृष्टिकोण से देखने की आवश्यकता है।

यदि इस चुनौती का समाधान करना है,तो एक व्यापक और समन्वित प्रयास की आवश्यकता होगी। सबसे पहले,अवसंरचना के स्तर पर सुधार अनिवार्य है। कोल्ड स्टोरेज और आधुनिक भंडारण सुविधाओं का विस्तार किया जाना चाहिए,ताकि नाशवान वस्तुओं को सुरक्षित रखा जा सके। ग्रामीण क्षेत्रों में विशेष ध्यान देना आवश्यक है, जहाँ इस प्रकार की सुविधाओं की सबसे अधिक कमी है। इसके साथ ही, परिवहन और लॉजिस्टिक्स प्रणाली को भी सुदृढ़ बनाया जाना चाहिए,ताकि खाद्य पदार्थ समय पर और सुरक्षित तरीके से बाजार तक पहुँच सकें।

तकनीक का उपयोग भी इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। डिजिटल प्लेटफॉर्म और डेटा आधारित प्रणाली के माध्यम से मांग और आपूर्ति का बेहतर अनुमान लगाया जा सकता है,जिससे अनावश्यक उत्पादन और बर्बादी को रोका जा सके। इसके अलावा, खाद्य अपशिष्ट को ऊर्जा या खाद में बदलने के लिए आधुनिक तकनीकों का उपयोग किया जा सकता है, जिससे पर्यावरणीय प्रभाव को कम किया जा सके।

नीतिगत सुधार भी अत्यंत आवश्यक हैं। सरकार को ऐसे कानून और नीतियाँ बनानी चाहिए, जो खाद्य अपशिष्ट को कम करने के लिए प्रोत्साहित करें और अनावश्यक बर्बादी पर नियंत्रण लगाएँ। होटलों, रेस्तरां और बड़े आयोजनों में बचा हुआ भोजन जरूरतमंदों तक पहुँचाने के लिए अनिवार्य प्रावधान किए जा सकते हैं। इसके साथ ही, किसानों को उनकी उपज के नुकसान के लिए सुरक्षा प्रदान करना भी आवश्यक है,ताकि वे आर्थिक रूप से सुरक्षित रह सकें।

सामुदायिक और शैक्षिक पहल भी इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। लोगों में जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता है,ताकि वे भोजन के महत्व को समझें और उसकी बर्बादी से बचें। स्कूलों और कॉलेजों में इस विषय को पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया जा सकता है,जिससे नई पीढ़ी अधिक जिम्मेदार बने। इसके अलावा,सामाजिक संगठनों और स्वयंसेवी संस्थाओं के माध्यम से अतिरिक्त भोजन को जरूरतमंदों तक पहुँचाने की पहल को भी प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

अंततः,इस समस्या का समाधान केवल एक पक्ष के प्रयास से संभव नहीं है। इसके लिए सरकार, निजी क्षेत्र, किसानों और आम नागरिकों के बीच सहयोग आवश्यक है। एक समग्र और सर्कुलर दृष्टिकोण अपनाकर ही हम खाद्य अपशिष्ट को कम कर सकते हैं और भूख की समस्या का समाधान कर सकते हैं।

यह स्पष्ट है कि खाद्य अपशिष्ट केवल संसाधनों की बर्बादी नहीं, बल्कि एक ऐसी व्यवस्थागत विफलता है,जो हमारी प्राथमिकताओं और नीतियों पर प्रश्नचिह्न लगाती है। यदि हम इस चुनौती को गंभीरता से लें और समन्वित प्रयास करें,तो न केवल भूख को कम किया जा सकता है, बल्कि एक अधिक न्यायसंगत और सतत समाज की दिशा में भी कदम बढ़ाया जा सकता है।

बीते लम्हे और आज का एहसास

डॉ. मुश्ताक़ अहमद शाह सहज़
हरदा,मध्य प्रदेश

हवेली के उस पुराने मेहराबदार दालान में वक्त जैसे थम सा गया था। बाहर पेड़ों की घनी छांव से छनकर आती सुनहरी धूप ज़मीन पर यादों के नक्श बना रही थी। मेज़ पर रखी चाय की प्याली से उठता धुआं अतीत की धुंधली गलियों की तरह हवा में लहरें ले रहा था। साहब ख़ामोशी से सामने बैठी अपनी शरीक़-ए-हयात को देख रहे थे,लेकिन उनकी नज़रें बार-बार मेज़ पर रखी उस छोटी सी तस्वीर की ओर भटक जातीं,जो उनके युवा दिनों की थी।

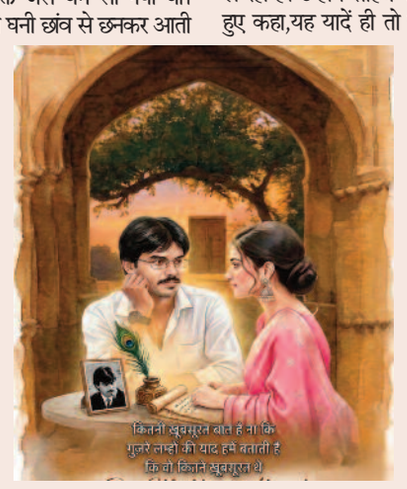

साहब, जिनकी शख़्सियत में हिकमत (बुद्धिमत्ता) और अदब (साहित्य) का एक गहरा संगम था, आज कुछ ज़्यादा ही सोच में डूबे थे। वह जानते थे कि वक्त के पास सब कुछ छीन लेने का हुनर है, लेकिन एक संवेदनशील इंसान के पास वह कला है कि वह गुज़रते हुए लम्हे को यादों की ज़ंजीर पहना कर हमेशा के लिए क़ैद कर ले।

उन्होंने अपनी पत्नी की आँखों में झांकते हुए बहुत धीमे से कहा, कितनी अजीब बात है ना? यह तस्वीर में दिखने वाला नौजवान...इसने बहुत से तूफ़ान देखे,कई कड़वे घूँट पिए, लेकिन इसने कभी हार नहीं मानी। जानते हो क्यों? क्योंकि इसके पास यादों का एक सरमाया (पूंजी) था और उम्मीद का एक क़लम।

उनकी पत्नी ने मुस्कुरा कर उनकी तरफ़ देखा। वह जानती थीं कि साहब इस वक्त केवल शब्दों की दुनिया में नहीं,बल्कि यादों के उस शहर में हैं जहाँ बीता हुआ कल आज भी सांस ले रहा है। उन्होंने साहब का हाथ थामते हुए कहा,यह यादें ही तो हमें बताती हैं कि हमने कितना खूबसूरत सफ़र तय किया है। खूबसूरती उस लम्हे में नहीं थी जो गुज़र गया, बल्कि खूबसूरती उस एहसास में है जो आज भी उसे याद करके दिल में जाग उठता है।

साहब ने मेज़ पर रखे कागज़ पर अपना क़लम उठाया। उनके लिए तस्वीर चेहरा दिखाती थी,लेकिन क़लम रूह का हाल बयान करता था। उन्होंने कागज़ पर बड़े सलीक़े से लिखा...

कितनी खूबसूरत बात है ना कि गुज़रे लम्हों की याद हमें बताती है कि वो कितने खूबसूरत थे...।

उन्होंने महसूस किया कि उनकी पूरी जिंदगी,उनकी शायरी और उनकी मोहब्बतें दरअसल वही पुल हैं जो उनके अतीत और वर्तमान को आपस में जोड़े हुए हैं। वह पुरानी तस्वीर,वह आज की गुफ्तगू और वह ढलती हुई शाम,सब मिलकर एक ऐसी गज़ल बन रहे थे जिसका हर मिसरा (पंक्ति) शुक्रगुज़ारी और वफ़ा पर टिका था। शाम की उस गहरी खामोशी में साहब के चेहरे पर एक इत्मीनान था। उन्हें समझ आ गया था कि जब तक यादें जिंदा हैं,इंसान कभी तन्हा नहीं होता, और जब तक साथ निभाने वाला हमसफ़र पास हो,हर गुज़रा हुआ लम्हा आज भी मुस्कुराता हुआ महसूस होता है।

महिला विधेयक बिल के पास ना होने के कई कारण

संजय गोस्वामी
दुंदी बाजार, पटना बिहार

महिला विधेयक बिल नहीं पास हुआ दरअसल महिलाओ से ज्यादा पुरुष परेशान है क्योंकि उसे घर माता पिता और सभी का ख्याल रखना पड़ता है और स्त्री पुरुष में भेदभाव करना सही नहीं। ये सभी दलों के लोगों ने सोचा होगा आज बंगाल में चुनाव है इसलिए ऐ बिल 2014 से अब क्यों लाया गया।

मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम है इसलिए वो पुरुष हैँ जो पुरुष होते हैँ उनका मन चंचल नहीं होता और में इसलिए राम को पुरुषोत्तम कहा जाता है इसलिए कि यह एक प्रमुख धार्मिक मान्यता है जो हिंदू धर्म में प्रचलित है। पुरुषोत्तम शब्द संस्कृत भाषा से लिया गया है,जिसमें पुरुष का अर्थ होता है मनुष्य और उत्तम का अर्थ होता है श्रेष्ठ या सर्वोत्कृष्ट। इस शब्द का श्री राम के लिए प्रयोग किया जाता है ताकि इससे उनकी परम गुणवत्ता और पूर्णता का संकेत दिया जा सके।श्री राम का जीवन अपने चिंतन और चरित्र से मनुष्य की संपूर्ण गरिमा को चरितार्थ करता है । मनुष्य किस स्तर तक विकसित हो कि उसमें भागवत चेतन प्रकट हो सके। इस प्रश्न का उत्तर श्रीराम के चरित्र में मिलता हैं । देवर्षि नारद ने वालमीकि से पूछा था कि संसार में गुणवान,तेजस्वी,धर्मज्ञ उपकार मानने वाला,सत्यव्रती,दृढ़ प्रतिज्ञ,सदाचार से युक्त,सबका हितैषी,प्रियदर्शी,जितेंद्रिय, क्रोध और समस्त आवेगों पर नियंत्रण रखने वाला,कीर्तिमान और अनिंद्य कौन है । ऐसा कौन सा पुरूष है जो दूसरों को जीतने की कामना नहीं रखता और स्वयं अजेय है ? महर्षि वाल्मीकि इस प्रश्न के उत्तर में रामचरित सुनाते हैं । राम के राज्य में रमणीयता ही रमणीयता सर्वत्र नजर आती थी । प्रत्येक कार्य यज्ञ की भावना से सम्पन्न होता था। असत्य,अधर्म, अन्याय,अत्याचार,आतंक आदि आसुरी प्रवृत्तियों के लिए कहीं कोई स्थान नहीं था । पारस्परिक प्रेम,सद्भावना और सहयोग से प्रेरित होकर सभी लोग अपने-अपने कार्य अपनी-अपनी योग्यता के अनुसार करते रहते थे । प्रत्येक व्यक्ति सार्वजनिक हित की भावना से ही प्रत्येक कार्य को करने लगता था। किसी को किसी के प्रति कोई शिकायत नहीं होती थी और न किसी के मन में किसी के प्रति द्वेष था । सभी लोग राम का नाम लेकर रामराज्य का गुणगान करते हैं और हृदय से चाहते थे कि यह राज्य अनंत काल तक चलता रहे । इसीलिए राम किसी एक युग का या जग का नहीं बल्कि विश्व का है । वे शासक नहीं परिपालक हैं । राम और हिन्दुस्तान , का जनमानस दोनों एक दूसरे के पर्यायवाची बन गए हैं। श्रीराम का चरित्र भारतीय संस्कृति के आदर्शवाद का उज्जवल प्रतीक बन गई है । श्री राम के चरित्र को देखकर कोई भी व्यक्ति या समूह अपना चरित सुधार सकता है । राम आदर्श गृहस्थ हैं ,वनवासी हैं ,राजा भी हैं ,नागरिक भी हैं ,स्तरीय समाज का निर्माण ही उनका उद्देश्य है

श्री राम हिंदू धर्म के एक प्रमुख अवतार माने जाते हैं, जिन्हें पुराणों और एपिक महाकाव्य रामायण में प्रमुखता से वर्णित किया गया है। उन्हें अदार्श पुरुष, धर्मात्मा,न्यायप्रिय,सामरिक कुशल,प्रेमी पति,सदभक्त,धर्म का पालन करने वाले और भक्तों के लिए प्रेरणा स्रोत के रूप में माना जाता है। इसलिए श्री राम को पुरुषोत्तम कहा जाता है।इसलिए जब तक भगवान राम रहेंगे तब तक किसी से भेदभाव नहीं करेंगे,नर और नारी एक समान सब है प्रभु राम की संतान.इसी इस बात से समझ सकते हैँ भगवान राम पुरुष के रूप में ही आखिर जन्म क्यों लिए उन्हें अन्त करना था ऐसे रावण को जो अधर्मी था और घमंड और सर्वशक्तिमान समझता था इसलिए भगवान राम को धर्म और मानवता को बचाने के लिए एक लम्बी लड़ाई रावण से लड़नी थी यदि महिला होते परिवार होता तो महिलाओ को 9 ,महीने तक गर्भ धारण करना पड़ता जो लड़ाई में बाधा क्या लड़ ही नहीं पाते,यह सच है कि यदि आपके देश में अचानक कोई युद्ध छेड़ देता है और उस वक्त महिला सैनिक यदि गर्भवती हो तो युद्ध कैसे करेगी,आजकल इसी समस्या को देखते हुए सरकार ने 2 साल का चाइल्ड केयर लीव मिलता है लेकिन सेना में युद्ध की परिस्थिति में गर्भवती हो तो युद्ध में शामिल नहीं हो सकती है इसलिए नारी में ममता होता है और अपने बच्चे को सही तरीके से पालन पोषण चाहिए इसलिए बिल ना पास के इस मुद्दे को लोकसभा से चुने गए सांसद को महिला विरोधी नहीं कहा जा सकता लोकतान्त्रिक व्यवस्था ही देश की दिशा तय करती है इसपर निराश भी नहीं होने की जरुरत है आप यदि जानकार होंगे विद्वान होंगे तो आपको लोग आज शिक्षा के व्यवसाय में नौकरी से ज्यादा इनकम होगा और जब चाहे आप छुट्टी ले ले और ऑनलाइन क्लास चालू करें लेकिन एक बात का हमेशा ध्यान देना शादी के बाद अपने सास ससुर की सेवा करना इससे अच्छा संस्कार मिलेगा और चुगली शिकायत से बचेगे क्योंकि बूे लोग बेटा पर आश्रित होते हैं जब बेटा की पत्नी ही उसके माँ बाप की कद्र ना करें तो परिवार टूटेगा और संस्कार नष्ट होगा जो बहुत मुश्किल से मिलता है.

बैशाख शुक्ल तीज श्रीगणेश और अक्षय का स्वरूप

लक्ष्मीनारायण सेन
गरियाबंद,छत्तीसगढ़.

हमारा देश उमंग हर्ष उल्लास की एक पावन धरा है जहाँ तीन सौ पैंसठ दिन में प्रत्येक दिन कोई ना कोई त्यौहार मनाया जाता है,और प्रत्येक त्यौहार एक अपने आप में तर्क सम्मत होता है।इन त्योहारों में से एक अक्षय तृतीया या अक्ती है।

अक्षय तृतीया बैशाख माह के शुक्ल तीज को मनाया जाता है। अक्षय नाम से ही हम सबको विदित होता है की जिसका कभी क्षय नहीं हो सकता है। अक्षय तृतीया अपने आप में एक अविनाशी मंगल दिवस के रूप में हम सबके के पास आता है। अक्षय तृतीया के दिन किसी मंगल कार्य को करने करने के लिए किसी मुहूर्त की आवश्यकता नहीं होती। अक्षय तृतीया के दिन को अबूझ मुहूर्त के रूप में माना जाता है।इस तिथि को कोई भी कार्य किया जाता है वह अक्षय अविनाशी फल प्रदायक होता है। मान्यता है की इस दिन जो शादी होती है वह दाम्पत्य जीवन में प्रेम को अक्षय स्वरूप प्रदान करता है। यह कथन केवल मान्यता ही नहीं बल्कि विज्ञान सम्मत भी है। क्योंकि अक्षय तृतीया के दिन सूर्य और चन्द्रमा उच्च स्थिति में होने के कारण सूर्य और चंद्रमा अपने उच्च राशि में होता है जो ऊर्जावान और मंगल फलदाई होता है।

अक्षय तृतीया को युगादि तिथि अर्थात युग प्रारम्भ दिवस कहा जाता है। मान्यता है की आज ही के दिन त्रेतायुग प्रारंभ हुआ था,भगवान विष्णु के छठवें अवतार श्री परशुराम जी भगवान का अवतरण हुआ था, सुदामा जी को भगवान श्रीकृष्ण जी ने अक्षय पात्र प्रदान किये थे और भगवान वेदव्यास जी ने महाभारत का रचना प्रारंभ किया था और मां गंगा का अवतरण आज ही के दिन धरा पर हुआ था। अतः कुछ अनादि कार्यों का शुरूआत अक्षय तृतीया के ही दिन हुआ था।

अक्षय तृतीया लोक-परंपरा लोक-संस्कृति को जीवंत रूप प्रदान करता हैं।आज के दिन बच्चे सामूहिक रूप से पुतला-पुतली का विवाह रचाता है।इस माध्यम से बच्चे अपने लोक-परंपरा,लोक-संस्कृति रीति-रिवाज, परिधान और सोलहा संस्कार में से एक संस्कार विवाह संस्कार को समझता और जानता है। मान्यता के अनुसार अक्षय तृतीया को देवस्थान पर मिट्टी की नई सुराही पर अक्ती पानी रखा जाता है और पितृ भोज कराया जाता है। खरीफ फसल हेतु किसान अपने बीज को ग्राम देवता ठकुरदीया में भेट कर पूजा अर्चना करता है और फिर इसी बीज से किसान अपने बुवाई का कार्य प्रारंभ करता है।

सूचना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

-सम्पादक

CMYK

निजी स्कूलों पर डीईओ की सख्ती,महंगी किताबें व फीस बढ़ोतरी पर 50 प्रतिशत जुर्माने का नोटिस

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,18 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।

शहर के निजी स्कूलों में एनसीईआरटी के बजाय निजी प्रकाशकों की महंगी किताबें चलाने और फीस में बढ़ोतरी के मामले में जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ) ने सख्त कदम उठाया है। अभिभावकों की शिकायत के बाद ओरिएंटल पब्लिक स्कूल, कार्मेल स्कूल और न्यू डीपीएस स्कूल को नोटिस जारी कर दो दिन में जवाब मांगा गया है। साथ ही वसूली गई फीस का 50 प्रतिशत तक जुर्माना लगाने की चेतावनी दी गई है।

डीईओ द्वारा जारी नोटिस में कहा गया है कि कुछ स्कूलों की किताबें शहर की चुनिंदा दुकानों में ही उपलब्ध हैं। ओरिएंटल पब्लिक स्कूल की किताबें राणा ब्रदर्स में, जबकि कार्मेल और न्यू डीपीएस स्कूल की किताबें एमपी डिपार्टमेंटल स्टोर्स में ही मिल रही हैं। इससे अभिभावकों को महंगी किताबें खरीदने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। अभिभावकों ने शिकायत में बताया कि स्कूलों ने वार्षिक शुल्क में 9 से 13 प्रतिशत

एनसीईआरटी लागू करने के निर्देश

कार्मेल स्कूल प्रबंधन ने अगले सत्र से एनसीईआरटी किताबें लागू करने की बात कही, जिस पर डीईओ ने इसे वर्तमान सत्र से ही लागू करने के निर्देश दिए। साथ ही अभिभावकों को एनसीईआरटी पुस्तकों का पीडीएफ उपलब्ध कराने और किताबें लौटाने पर सहयोग करने को कहा गया है।

और शिक्षण शुल्क में करीब 9.4 प्रतिशत तक बढ़ोतरी की है। खासकर कक्षा 8वीं तक की किताबों की कीमत अधिक होने से आर्थिक बोझ बढ़ा है। नोटिस में यह भी उल्लेख किया गया है कि स्कूल प्रबंधन ने पूर्व बैठक में दिए गए निर्देशों का पालन नहीं किया। साथ ही निजी प्रकाशकों और पुस्तक विक्रेताओं के साथ साठगांठ कर महंगी किताबें बेचने की आशंका जताई गई है।

बस्ते का वजन भी ज्यादा

न्यू डीपीएस स्कूल सरगवां में कक्षा 1 के एक छात्र का बस्ता निर्धारित मानक से अधिक पाया गया। छात्र का वजन 18 किलोग्राम जबकि बस्ते का वजन 6 किलोग्राम था। नई शिक्षा नीति 2020 के अनुसार बस्ते का वजन बच्चे के वजन के 10 प्रतिशत से अधिक नहीं होना चाहिए।

आगे कड़ी कार्रवाई की चेतावनी

डीईओ ने स्पष्ट किया है कि संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर संबंधित स्कूलों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

सरगुजिहा बोली पर भेदभाव पड़ा भारी, स्कूल पर 1 लाख जुर्माना,संचालन स्थगित

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,18 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।

शहर के एक निजी स्कूल में सरगुजिहा बोली बोलने वाले बच्चे को नर्सरी में प्रवेश देने से इनकार करना स्कूल प्रबंधन को भारी पड़ गया। मामले की जांच के बाद जिला शिक्षा विभाग ने स्कूल पर 1 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है और संस्था का संचालन तत्काल प्रभाव से स्थगित कर दिया है। चोपड़ापारा निवासी राजकुमार यादव ने आरोप लगाया था कि वे अपने साढ़े तीन साल के बेटे का एडमिशन कराने स्वरंग किड्स एकेडमी पहुंचे थे। यहां प्रिंसिपल ने यह कहकर प्रवेश देने से मना कर दिया कि बच्चा केवल सरगुजिहा बोली बोलता है और शिक्षक उसकी भाषा नहीं समझ पाएंगे। अभिभावक का कहना है कि एक सप्ताह तक डेमो क्लास के बाद भी बच्चे को प्रवेश नहीं दिया गया।

'बड़े घरों के बच्चे हिंदी बोलते हैं': अभिभावक के अनुसार, स्कूल प्रबंधन ने यह भी कहा कि यहां पढ़ने वाले अन्य बच्चे हिंदी में बात करते हैं, ऐसे में उनका बच्चा उनकी भाषा सीख सकता है। इस आधार पर प्रवेश से इनकार किया गया, जिसे परिजनों ने भेदभावपूर्ण बताया।

जांच में आरोप सही : कलेक्टर के निर्देश पर जिला शिक्षा अधिकारी ने जांच दल गठित किया। वरिष्ठ प्राचार्य की अध्यक्षता में हुई जांच में शिकायत

सही पाई गई। यह भी सामने आया कि स्कूल बिना विभागीय मान्यता के संचालित हो रहा था।

शिक्षा अधिकार कानून का उल्लंघन : डीईओ ने आदेश में कहा कि यह कृत्य नि : शुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 का उल्लंघन है। साथ ही यह राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रावधानों के भी विपरीत है, जिसमें प्रारंभिक शिक्षा मातृभाषा में देने पर जोर दिया गया है।

सख्त कार्रवाई : जिला शिक्षा विभाग ने मामले को गंभीर मानते हुए 1 लाख रुपए का जुर्माना लगाया। स्कूल का संचालन तत्काल प्रभाव से स्थगित किया संदेश स्पष्ट। इस कार्रवाई के बाद शिक्षा विभाग ने साफ संकेत दिया है कि भाषा या किसी भी आधार पर बच्चों के साथ भेदभाव बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

अनोखी सोच संस्था ने निभाई मानवता की मिसाल गरीब परिवार की बेटी का कराया अंतिम संस्कार

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,18 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।

मानवता और संवेदनशीलता की मिसाल पेश करते हुए अनोखी सोच संस्था ने एक गरीब व असहाय परिवार की दिवंगत बेटी का विधिवत अंतिम संस्कार कर समाज के सामने सेवा का सराहनीय उदाहरण प्रस्तुत किया है। जानकारी के अनुसार, रेनू रवि (28 वर्ष), पिता संतोष रवि,निवासी मानीगेतरा, विश्रामपुर (जिला सूरजपुर) पिछले कुछ समय से फेफड़ों की गंभीर बीमारी से पीड़ित थीं। हालत बिगडऩे पर उन्हें जिला अस्पताल सूरजपुर से अंबिकापुर स्थित मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर किया गया, जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। मृतका का परिवार आर्थिक रूप से बेहद कमजोर है। अस्पताल में बेटी की मौत के बाद मां सहायता के अभाव में बेहद परेशान और व्यथित थीं। इसी दौरान मेडिकल कॉलेज के पास स्थित पुलिस चौकी को मामले की जानकारी मिली। पुलिसकर्मियों ने संवेदनशीलता दिखाते हुए अनोखी सोच संस्था के सदस्य सुनील साहू को सूचना दी। सूचना मिलते ही सुनील साहू व संजीव चटर्जी अस्पताल पहुंचे और परिजनों से बातचीत कर पूरी स्थिति जानी। इसके बाद संस्था के अध्यक्ष सूर्य प्रकाश साहू से संपर्क कर अंतिम संस्कार की जिम्मेदारी उठाने का निर्णय लिया गया। मृतका की मां ने बताया कि उनका यहां कोई सहारा नहीं है और उनके रीति-रिवाजों के अनुसार महिला मुखाग्नि नहीं दे सकती। ऐसे में

उन्होंने संस्था से ही अंतिम संस्कार कराने का आग्रह किया। संस्था के सदस्यों ने सामूहिक निर्णय लेते हुए रेनू रवि का अंतिम संस्कार कराने का संकल्प लिया। इसके बाद पार्थिव शरीर को शंकर घाट मुक्तिधाम ले जाया गया, जहां धार्मिक विधि-विधान के साथ पांच सदस्यों ने सामूहिक रूप से मुखाग्नि देकर अंतिम संस्कार संपन्न कराया। इस दौरान मुक्तिधाम में भावुक माहौल रहा। संस्था के इस कार्य की लोगों ने सराहना की और इसे मानवता का सच्चा उदाहरण बताया। अंतिम संस्कार के दौरान संस्था के अध्यक्ष प्रकाश साहू सहित अभय साहू, पंकज चौधरी, संजीव चटर्जी, मोती ताम्रकार, सुनील साहू, मनोज अग्रवाल, भोला रक्सेल, समित मुंडा, गोपी साहू, अजय साहू, अजय ताम्रकार, निशांत जायसवाल, रमेश साहू, बिट्टू मिश्रा, ननकू मुंडा, नीरज साहू, सावन करकेटा, लरंग मुंडा, रोहित सिंह, शौरभ दास, कार्तिक मिंज, जगदम्बा साहू, संजय सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। गौरतलब है कि अनोखी सोच संस्था समय-समय पर जरूरतमंद और असहाय लोगों की मदद के लिए आगे आती रही है।

पुराने स्वरूप में महिला आरक्षण बिल लाए सरकार,कांग्रेस देगी समर्थन : टी.एस. सिंहदेव

सिंहदेव ने कहा कि भाजपा सरकार महिलाओं के आंचल के पीछे छिपकर कुचक्र को थोपना चाह रहे थे...

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,18 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।

अंबिकापुर नगर के राजीव भवन में पत्रकारों से वार्ता करते हुए छत्तीसगढ़ के पूर्व उप मुख्यमंत्री टीएस सिंह देव ने कहा कि महिला आरक्षण जो 2023 में सभी के सहमति से जो पारित हुआ है, उसे केंद्र सरकार तत्काल लागू करें। सिंह देव ने कहा कि महिला विरोधी कौन है, देश की जनता जानती है। कांग्रेस के सहयोग से 2023 में महिला आरक्षण बिल को सरकार ने पारित किया लेकिन इसको लागू करने में जनगणना का शर्त लगा दिया और 2026 के जनगणना के बाद इसे लागू करने को कहा। लेकिन अब बिना जनगणना के महिला आरक्षण की आड़ में परिसीमन का खेल खेलने लग गए। इस बिल को लेकर सिंह देव ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार को जहां जहां सूट करता है, वहां इस बिल के माध्यम से सीट बढ़ाना चाहती थी और जो नुकसान के क्षेत्र थे वहां सीट काम करना चाहती थी। उनका इरादा

92 लोकसभा सीटों में खेला करने का था जिसे राहुल गांधी के नेतृत्व में विपक्ष ने विफल कर दिया। श्री सिंहदेव ने कहा कि भाजपा सरकार महिलाओं के आंचल के पीछे छिपकर कुचक्र को थोपना चाह रहे थे, जो कामयाब नहीं हुआ। टी.एस. सिंहदेव ने आगे महिला आरक्षण के मुद्दे पर केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी महिला आरक्षण की हमेशा से समर्थक रही है, अगर भाजपा महिला आरक्षण बिल की समर्थक है तो तत्काल 2023 में पारित बिल को लोकसभा के 543 सीटों के संदर्भ में लागू कर 179 सीट महिलाओं के लिए आरक्षित करे। उन्होंने स्पष्ट कहा कि हैम 2023 के समर्थन में है सरकार इसे तत्काल लागू करे। सिंहदेव ने कहा कि हालिया घटनाक्रम लोकतंत्र की बड़ी जीत है और विपक्षी एकता की सफलता सामने आई है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार महिला आरक्षण के नाम पर राजनीतिक लाभ लेने का प्रयास कर रही है, जबकि वास्तविक मुद्दों पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि महिला आरक्षण बिल का मुख्य विषय परिसीमन से जुड़ा हुआ है। वर्तमान प्रस्ताव के अनुसार 33 प्रतिशत आरक्षण मौजूदा सीटों पर ही लागू किया जाना चाहिए, ताकि इसका लाभ शीघ्र महिलाओं को मिल सके। सिंहदेव ने दोहराया कि कांग्रेस वर्ष 2023 के पुराने प्रस्ताव का समर्थन करने के लिए तैयार है। सिंहदेव ने यह भी कहा कि सरकार द्वारा बिल का मसौदा एक दिन पहले सार्वजनिक किया गया,जिससे पारदर्शिता को लेकर सवाल खड़े होते हैं। उन्होंने कहा कि सरकार को इस मुद्दे पर स्पष्टता और पारदर्शिता के साथ आगे बढ़ना चाहिए,ताकि महिला आरक्षण का लाभ जल्द से जल्द लागू हो सके। प्रेस वार्ता में कांग्रेस जिलाध्यक्ष बाल कृष्ण पाठक,नगर निगम नेता प्रतिपक्ष सफी अहमद,अजय अग्रवाल,सीमा सोनी,अनूप मेहता,सहित अन्य मौजूद थे।

सेवा किटी समूह ने शुरू किया प्याऊ,राहगीरों को मिल रही राहत

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,18 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।

भीषण गर्मी को देखते हुए सेवा किटी समूह द्वारा हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी जनहित में प्याऊ का शुभारंभ किया गया। यह प्याऊ कनकरानी निर्मल दत्ता मार्ग,कलेक्टर बंगले के पीछे राहगीरों के लिए शुरू किया गया है। प्याऊ का उद्घाटन नगर निगम सभापति हरमिंदर सिंह टिन्नी और वार्ड पार्षद दीपक यादव ने किया। इस अवसर पर समूह की संस्थापिका वंदना दत्ता सहित सदस्य मधु चौदह,नीलिमा मिश्रा और स्मिता तिवारी मौजूद रहीं। प्याऊ में राहगीरों को ठंडा पानी के साथ जलजीरा,खीरा,गुड़ और चना भी वितरित किया जा रहा है, जिससे गर्मी में लोगों को राहत मिल रही है। समूह द्वारा बताया गया कि यह प्याऊ अगले दो माह तक संचालित किया जाएगा,ताकि तेज गर्मी के दौरान अधिक से अधिक लोगों को लाभ मिल सके। इस पहल के तहत दो जरूरतमंद महिलाओं–सलमिना और मनीषा–को भी रोजगार दिया गया है,जो प्याऊ के संचालन में सहयोग कर रही हैं।

घरेलू विवाद में चचेरे भाई की हत्या,आरोपी गिरफ्तार,उदयपुर थाना क्षेत्र की घटना

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,18 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।

उदयपुर थाना क्षेत्र के केदमा चौकी अंतर्गत ग्राम खुझी में घरेलू विवाद के चलते चचेरे भाई की हत्या कर दी गई। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पुलिस के अनुसार कमलेश मंझवार अपने चचेरे भाई प्यारी राम मझवार के घर में रहता था। दोनों के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा था। 16 अप्रैल की रात विवाद बढऩे पर प्यारी राम मझवार ने लकड़ी से सिर पर वार कर दिया। इससे कमलेश गिर गया। गिरने के बाद उसके गर्दन पर हसिया से हमला कर हत्या कर दी। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच की और आरोपी को हिरासत में लिया। पूछताछ में आरोपी ने हत्या करना स्वीकार किया। उसके कब्जे से घटना में प्रयुक्त लकड़ी और हसिया भी जब्त कर लिया गया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया।

नशीले कैप्सूल-इंजेक्शन के साथ तीन आरोपी गिरफ्तार

आबकारी टीम की कार्रवाई,मुख्य सप्लायर भी चढ़ा हत्थे...

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,18 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।

संभागीय आबकारी उडऩदस्ता टीम ने नशीले कैप्सूल और इंजेक्शन की अवैध सप्लाई पर बड़ी कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। टीम ने आरोपियों के कब्जे से 1704 नग नशीले कैप्सूल और 100 नग नशीले इंजेक्शन जब्त किए हैं।

तीनों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई कर जेल भेज दिया गया है। सहायक जिला आबकारी अधिकारी ने बताया कि 17 अप्रैल की रात मुखबिर की सूचना पर सीतापुर

थाना क्षेत्र के ग्राम कुम्हारपारा,महेशपुर निवासी गौतम बनवासी और जगजीवन प्रजापति को 1704 नशीले कैप्सूल के साथ पकड़ा गया।

पूछताछ में सामने आया सप्लायर

पूछताछ में दोनों आरोपियों ने बताया कि वे यह नशीले कैप्सूल दरिमा थाना क्षेत्र के बेलखरिखा निवासी शेख अयातुल्लाह उर्फ भोलू खान से खरीदते थे। आरोपी ने यह भी बताया कि भोलू खान इन दिनों अंबिकापुर बस स्टैंड स्थित श्याम लॉज में रहकर नशीले इंजेक्शन और कैप्सूल की सप्लाई कर रहा है।

होटल से दबोचा गया मुख्य आरोपी

सूचना के आधार पर आबकारी टीम ने 18 अप्रैल को श्याम लॉज में दबिश देकर भोलू खान को गिरफ्तार कर लिया। उसके कब्जे से 100 नग नशीले इंजेक्शन बरामद किए गए।

हत्या के मामले में था फरार

आबकारी अधिकारी के अनुसार, भोलू खान हत्या के एक मामले में फरार चल रहा था और लंबे समय से सरगुजा क्षेत्र में नशीले पदार्थों की सप्लाई कर रहा था। वह लगातार मोबाइल नंबर बदलता रहता था, जिससे पकड़ में नहीं आ रहा था।

गर्मी की छुट्टियों में भी खुलेगा स्कूल? अभिभावकों से सहमति पत्र लेकर विशेष कक्षाओं की तैयारी, निर्णय पर उठे सवाल

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,18 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।

शहर के होली क्रॉस कॉन्वेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल में ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान भी कक्षा 10वीं और 12वीं के विद्यार्थियों के लिए विशेष कक्षाएं संचालित करने की तैयारी को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। स्कूल प्रबंधन ने अभिभावकों से सहमति पत्र भरवाकर 20 अप्रैल से 28 अप्रैल तक कक्षाएं चलाने का प्रस्ताव रखा है। विद्यालय द्वारा जारी पत्र में कहा गया है कि शासन के निर्देशानुसार 20 अप्रैल से ग्रीष्मकालीन अवकाश शुरू

होना है, लेकिन बोर्ड परीक्षा मूल्यांकन कार्य के कारण पाठ्यक्रम समय पर पूरा नहीं हो सका। ऐसे में विद्यार्थियों के शैक्षणिक हित को देखते हुए सुबह 7:10 बजे से 10:30 बजे तक विशेष कक्षाएं संचालित करने का प्रस्ताव रखा गया है।

भीषण गर्मी में बच्चों को बुलाने पर नाराजगी : इस निर्णय के बाद कई अभिभावकों और नागरिकों ने नाराजगी जताई है। उनका कहना है कि अप्रैल माह में तेज गर्मी पड़ रही है, ऐसे में बच्चों को स्कूल बुलाना उचित नहीं है। यदि कुछ दिन पहले ही स्कूल बंद होने वाले हैं तो विद्यार्थियों को घर पर रहकर पढ़ाई करने का विकल्प दिया जाना चाहिए।

सामाजिक कार्यकर्ता ने उठाए सवाल : इस मुद्दे पर सामाजिक कार्यकर्ता अंचल ओझा ने भी सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि शासन के अवकाश आदेश के बाद भी स्कूल संचालन की तैयारी चिंताजनक है। बच्चों के स्वास्थ्य को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

प्रबंधन ने कहा- पढ़ाई पूरी कराने की पहल : वहीं स्कूल प्रबंधन का कहना है कि यह निर्णय केवल विद्यार्थियों के हित में लिया गया है, ताकि अधूरा पाठ्यक्रम पूरा कराया जा सके। साथ ही कक्षाएं अभिभावकों की सहमति के आधार पर ही संचालित की जाएंगी।

संवाद से निकल सकता है समाधान : मामले को लेकर शहर में चर्चा तेज है। एक ओर अभिभावक बच्चों के स्वास्थ्य को लेकर चिंतित हैं, वहीं दूसरी ओर प्रबंधन पढ़ाई पूरी कराने की बात कह रहा है।

कार्यों में लापरवाही बरतने वाले ग्राम पंचायत बेलखरिखा के सचिव निलंबित

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,18 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।

जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री विनय कुमार अग्रवाल के द्वारा गुरुवार को जनपद पंचायत लखनपुर के ग्राम पंचायत बेलखरिखा का भ्रमण किया गया। इस दौरान ग्राम पंचायत बेलखरिखा में पदस्थ सचिव श्री कमल साय बिना कारण पूर्व सूचना के अनुपस्थित पाए गए। वहीं ग्राम पंचायत में 15वां वित्त योजनान्तर्गत स्वीकृत पुराने कार्य अपूर्ण पाए गए। ग्राम पंचायत में प्रधानमंत्री आवास योजना अन्तर्गत वर्ष 2024-25 में कुल 181 आवास स्वीकृत हैं उनमें से केवल 69 आवास पूर्ण है, जो कि केवल 38 प्रतिशत (जिले का ऐवरेज 68 प्रतिशत) है। ग्रामीणों से चर्चा करने पर यह बात भी सामने आयी कि सचिव श्री कमल साय पंचायत भवन में प्रायः मद्यपान कर उपस्थित रहते हैं। उक्त कृत्य हेतु जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री विनय कुमार अग्रवाल के द्वारा ग्राम पंचायत बेलखरिखा सचिव श्री कमल साय को छ.ग. पंचायत सेवा (आचरण) नियम 1998 के नियम 03 (एक), (दो) एवं (तीन) एवं नियम-22 का उल्लंघन करने के कारण तत्काल प्रभाव से निलंबित कर इनका मुख्यालय जनपद पंचायत लखनपुर निर्धारित किया गया।

बैंक-एटीएम व ज्वेलर्स दुकानों की सघन जांच सुरक्षा बढ़ाने पुलिस ने दिए सख्त निर्देश

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,18 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।

जिले में वित्तीय संस्थानों की सुरक्षा को लेकर सरगुजा पुलिस ने विशेष अभियान चलाकर बैंक, एटीएम और ज्वेलर्स दुकानों की औचक जांच की। इस दौरान सुरक्षा व्यवस्थाओं की समीक्षा कर संचालकों को जरूरी दिशा-निर्देश दिए गए। डीआईजी व एसएसपी राजेश कुमार अग्रवाल के निर्देश पर थाना-चौकी प्रभारियों ने अपने-अपने क्षेत्रों में अभियान चलाया। जांच के दौरान सीसीटीवी कैमरों को सक्रिय रखने,सुरक्षा गार्ड तैनात करने और एटीएम में अलार्म सिस्टम लगाने के निर्देश दिए गए। पुलिस टीम ने संस्थानों के आसपास घूम रहे संदिग्ध लोगों से पूछताछ की। साथ ही कहा गया कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत डायल 112 या नजदीकी थाना को दी जाए।

पेट्रोलिंग बढ़ाने पर जोर

अधिकारियों ने पेट्रोलिंग टीम को बैंक और अन्य वित्तीय संस्थानों के आसपास नियमित गश्त करने और सतर्क निगरानी रखने के निर्देश दिए हैं।

CMYK

मुख्यमंत्री साय ने प्रदेश में 774 सड़कों का किया शिलान्यास एवं शुभारंभ

2225.44 करोड़ रुपए की लागत से 2426.875 किलोमीटर सड़कों का किया जाएगा निर्माण

-संवाददाता-
जशपुरनगर,18 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज रणजीता स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना अंतर्गत राज्य स्तर पर स्वीकृत फेस-04 की 774 सड़कों का शिलान्यास एवं शुभारंभ किया। कुल 2426.875 किलोमीटर लंबाई की इन सड़कों के निर्माण पर 2225.44 करोड़ रुपए की लागत आएगी। इनमें से जशपुर जिले में कुल 77 सड़कों का निर्माण कराया जाएगा। इसकी कुल लंबाई 197.26 किलोमीटर और लागत 196.20 करोड़ रुपए है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने जशपुर जिला मुख्यालय स्थित वशिष्ठ कम्यूनिटी हाल के जीर्णोद्धार के लिए 80 लाख रुपए देने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि आज का दिन छत्तीसगढ़ के लिए ऐतिहासिक है। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (फेज-4) के अंतर्गत 2,225 करोड़ रुपये की लागत से 774 सड़कों का एक साथ भूमिपूजन किया गया है। लगभग 2,427 किलोमीटर लंबी इन सड़कों के निर्माण से 781 बसाहटों को बारहमासी पक्की सड़क सुविधा प्राप्त होगी,जिससे ग्रामीण जनजीवन में व्यापक परिवर्तन आएगा। उन्होंने कहा कि यह एक सुखद संयोग है कि जब पूर्व

प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने छत्तीसगढ़ राज्य का गठन किया,उसी वर्ष प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना की भी शुरुआत की। वे जमीन से जुड़े नेता थे, जिन्होंने ग्रामीण भारत की जरूरतों को गहराई से समझा और यह योजना उनकी संवेदनशील सोच का परिणाम है।

आज यह योजना दूरस्थ गांवों को जोड़ते हुए ग्रामीण जीवन की जीवनरेखा बन चुकी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्रामीण सड़कों के विकास का दूसरा महत्वपूर्ण चरण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आया है। पिछले एक दशक में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना और पीएम जनमन योजना के माध्यम से छत्तीसगढ़ में सुदृढ़ सड़क नेटवर्क का विस्तार हुआ है, जिससे अधिकांश बसाहटें अब सड़क संपर्क से जुड़ चुकी हैं। उन्होंने बताया कि भारतमाला परियोजना के अंतर्गत रायपुर से विशाखापट्टनम तथा रायपुर से जशपुर होते हुए धनबाद तक सड़क निर्माण कार्य जारी है। इससे जशपुर से रायपुर की दूरी कम समय में तय की जा सकेगी और क्षेत्रीय विकास को गति मिलेगी। मुख्यमंत्री ने सहकारिता क्षेत्र का उल्लेख करते हुए कहा कि हाल ही में 515 प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों (पैक्स) का वर्चुअल शुभारंभ किया गया है। इससे प्रदेश में समितियों की संख्या बढ़कर 2,573 हो गई है। ये समितियां बहुउद्देश्यीय सोसायटी के रूप में कार्य करते हुए किसानों को खाद, बीज, अल्पकालीन ऋण जैसी सुविधाएं उनके गांव के निकट उपलब्ध कराएंगी, साथ ही धान विक्रय की प्रक्रिया भी सरल होगी। किसानों के हित में राज्य सरकार द्वारा 3,100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी की जा रही है। होली से पूर्व 25.28 लाख किसानों के खातों में 10,324 करोड़ रुपये से अधिक की राशि अंतरण होने से किसानों में उत्साह और विश्वास बढ़ा है। मुख्यमंत्री ने नागरिकों से जनगणना में सक्रिय भागीदारी की अपील करते हुए कहा कि इससे वास्तविक स्थिति का आकलन संभव होगा और विकास कार्यों की सटीक योजना बनाई जा सकेगी। उन्होंने बताया कि बिजली बिल भुगतान समाधान योजना के तहत प्रदेशभर में शिविर लगाकर समस्याओं का निराकरण किया जाएगा

तथा 757 करोड़ रुपये के बिजली बिल माफ किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के दृढ़ संकल्प के चलते छत्तीसगढ़ में नक्सल समस्या के समाधान की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है, जिससे अब प्रदेश के दूरस्थ क्षेत्रों में तेजी से विकास कार्य संभव हो पाएंगे।

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि आज जिस 774 सड़कों का शिलान्यास किया गया है, इसका काम कल से शुरू हो जाएगा। इस सड़कों को 500 दिनों में पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने बताया कि पिछले दो वर्षों में सड़कों के निर्माण में काफी तेजी आई है। इन वर्षों में लगभग 1300 से अधिक सड़कों का निर्माण पूरा किया जा चुका है। उन्होंने बताया किन पीएम जनमन योजना के तहत विशेष पिछड़ी जनजाति समुदाय इलाकों में भी सड़कों के निर्माण द्रुत गति से किया जा रहा है। आने वाले समय में यह इलाका भी तेजी से मुख्यधारा में जुड़ जाएगा। उप मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार ने अवैध धर्मांतरण को रोकने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ में धर्म स्वातंत्र्य कानून लागू किया है। इस कानून में शामिल कड़े प्रावधानों के माध्यम से निश्चित रूप से अवैध धर्मांतरण पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया जा सकेगा।

मुख्यमंत्री ने 375 अटल डिजिटल सुविधा केंद्र भवनों का किया लोकार्पण

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज रणजीता स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम में ग्राम पंचायत स्तर पर नागरिक सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए 375 अटल डिजिटल सुविधा केंद्र भवनों का लोकार्पण किया। इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा, पद्मजागेश्वर यादव, विधायक श्रीमती गोमती साय और श्रीमती रायमुनी भगत मौजूद रहे। अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी के तहत पंचायत स्तर पर बैंकिंग एवं डिजिटल सेवाओं का विस्तार किया जा रहा है, जिससे ग्रामीणों

को अब छोटे-छोटे कार्यों के लिए शहर या ब्लॉक मुख्यालय जाने की आवश्यकता नहीं पड़ रही है। उन्होंने बताया कि इन अटल डिजिटल सुविधा केंद्रों के माध्यम से ग्रामीण अब अपने गांव में ही बैंकिंग सेवाओं का लाभ उठा रहे हैं। इसमें पैसे निकालना, जमा करना तथा नए बैंक खाते खोलना भी सहज हो गया है। उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि,उज्ज्वला योजना, पेंशन योजनाएं एवं आयुष्मान भारत कार्ड जैसी विभिन्न शासकीय योजनाओं के लिए अब ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया सरल और सुलभ हो गई है, जिससे अधिक से अधिक हितग्राही लाभान्वित हो रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन केंद्रों की स्थापना से ग्रामीणों के समय और धन दोनों की बचत हो रही है। अब उन्हें शहर आने-जाने में होने वाले खर्च और समय की चिंता नहीं करनी पड़ती, जिससे उन्हें बड़ी राहत मिली है। उन्होंने यह भी कहा कि अटल डिजिटल सुविधा केंद्र ग्रामीणों को डिजिटल युग से जोड़ने में अहम भूमिका निभा रहे हैं। इससे न केवल डिजिटल सशक्तिकरण को बढ़ावा मिल रहा है, बल्कि ग्रामीण आत्मनिर्भर भी बन रहे हैं।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने पूर्व विधायक स्व. जगेश्वर राम भगत को दी श्रद्धांजलि

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज जशपुर जिले के पूर्व विधायक एवं वरिष्ठ समाजसेवी स्वर्गीय जगेश्वर राम भगत को श्रद्धांजलि अर्पित की। जशपुर प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री साय ग्राम कोमड़ो स्थित उनके निवास पहुंचे,जहां उन्होंने शोक संतप्त परिजनों से मुलाकात कर संवेदना व्यक्त की। मुख्यमंत्री साय ने स्वर्गीय भगत के छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए और उनके योगदान को याद किया। इस दौरान उन्होंने परिजनों को ढांढस बंधाते हुए इस कठिन समय में धैर्य बनाए रखने की बात कही। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए शोक संतप्त परिवार को इस दुःख की घड़ी में संबल एवं धैर्य प्रदान करने की कामना की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि स्वर्गीय जगेश्वर राम भगत का जीवन समाज सेवा और जनकल्याण के लिए पूर्णतः समर्पित रहा। उन्होंने समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास की रोशनी पहुंचाने का कार्य किया। इस दौरान इस दौरान उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा, अध्यक्ष छ.ग. भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार मंडल रामप्रताप सिंह, विधायक पत्थलगांव श्रीमती गोमती साय, जशपुर विधायक श्रीमती रायमुनी भगत, जिला पंचायत अध्यक्ष सालिक साय, नगर पालिका अध्यक्ष अरविंद भगत, जिला पंचायत उपाध्यक्ष शौर्य प्रताप सिंह जूदेव, नगर पालिका उपाध्यक्ष यश प्रताप सिंह जूदेव, सरगुजा संभाग के कमिश्नर नरेंद्र दुग्गा, पुलिस कमिश्नर दीपक कुमार झा, कलेक्टर रोहित व्यास, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक लाल उमेंद सिंह सहित आमजन मौजूद रहे।

जमीन बंटवारे के विवाद में महिला की मौत,6 आरोपियों को पुलिस ने भेजा जेल

-संवाददाता-
राजपुर/बलरामपुर,18 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।

जमीन बंटवारे के विवाद में एक महिला की कथित पिटाई के बाद मौत हो जाने के मामले में बारियों चौकी पुलिस ने 6 आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। घटना बलरामपुर जिले के राजपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम सिथमा की है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ अपराध क्रमांक 88/2026 के तहत धारा 191(2), 190, 332 तथा 103(1) भारतीय न्याय संहिता के अंतर्गत मामला दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार, प्रार्थी कुलन राम (60 वर्ष) निवासी ग्राम सिथमा ने बारियों चौकी में रिपोर्ट दर्ज कराई कि 15 अप्रैल 2026 को वह अपने बेटे और बहू के साथ घर के पास बाड़ी में मूंगफली की फसल में घास निकालने और पानी पटाने गया था। घर पर उसकी पत्नी राजो बाई और नातिन पायल मौजूद थीं। शाम करीब 5 बजे नातिन पायल रोते हुए खेत पहुंची और बताया कि दादी को मारा जा रहा है। इसके बाद कुलन राम परिवार के साथ घर पहुंचा तो देखा कि आरोपी संजय, उसकी पत्नी परमेश्वरी उर्फ पनेसरी, सरस्वती उर्फ बुधो, राजकुमारी उर्फ जुईया, उसका पति चैतू तथा फुलकुंवर जमीन बंटवारे को लेकर मारपीट कर रहे थे।

हाथ-मुक्का और लात से की पिटाई

रिपोर्ट में बताया गया कि आरोपियों ने जमीन हिस्सा नहीं देने पर जान से मारने की धमकी दी और हाथ-मुक्का व लात से मारपीट की। परिवार के लोगों ने बीच-बचाव कर महिला को छुड़ाया, जिसके बाद आरोपी मौके से फरार हो गए।

अगले दिन बिगड़ी तबीयत, हो गई मौत

16 अप्रैल को कुलन राम गांव में एक पारिवारिक कार्यक्रम में गया था। शाम को बेटे ने सूचना दी कि राजो बाई की तबीयत ज्यादा खराब है। घर पहुंचने पर महिला दर्द से परेशान थी और कुछ देर बाद उसने बोलना बंद कर दिया। परिजनों ने देखा तो उसकी मौत हो चुकी थी।

अपराध समीक्षा बैठक में सख्ती के निर्देश...लंबित मामलों के जल्द निपटारे और ट्रैफिक नियमों के पालन पर जोर

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,18 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।

पुलिस अधीक्षक कार्यालय में आयोजित समीक्षा बैठक में डीआईजी व एसएसपी ने जिले के राजपत्रित अधिकारियों और थाना-चौकी प्रभारियों को सख्त निर्देश दिए। बैठक में लंबित अपराध, शिकायत, मर्ग और चालान की समीक्षा करते हुए उन्हें जल्द निपटाने को कहा गया। विवेचकों को प्रकरण अनावश्यक लंबित न रखने की हिदायत दी गई। 'मुस्कान' और 'तलाश' अभियान के तहत गुमशुदा व्यक्तियों की खोज तेज करने के निर्देश दिए गए। फरार आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी पर भी जोर दिया गया। अधिकारियों ने शराब पीकर वाहन चलाने और ट्रैफिक नियम तोडने वालों पर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए, ताकि सडक़ दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके। एसएसपी ने थाना प्रभारियों को निर्देशित किया कि वे थाने आने वाले फरियादियों की समस्याएं धैर्यपूर्वक सुनें और उनका समाधान प्राथमिकता से करें। साथ ही फील्ड में सक्रिय रहकर विजिबल पेट्रोलिंग बढ़ाने को कहा गया।

नेता-अधिकारी व्यस्त अपने हित में, देश-गांव का भविष्य भगवान भरोसे

स्वार्थ में डूबे जिम्मेदार,भविष्य अंधेरे में...विकास बना केवल दिखावा

योजनाएं कागजों में...भविष्य संकट में...किस दिशा में जा रहा विकास? कमीशन की राजनीति में दबा भविष्य,विकास हुआ खोखला

- आज के स्वार्थ में गुम कल की चिंता,व्यवस्था पर उठते सवाल
- जंगल कटे, तालाब पाटे : जिम्मेदारों ने भविष्य को किया नजरअंदाज
- विकास नहीं,स्वार्थ तेजी से दौड़ रहा और जिम्मेदारों की प्राथमिकता पर सवाल दौड़
- नल, सड़क, योजना...सब कागजों में,जमीनी हकीकत में संकट
- राजनीति में उलझा समाज,भविष्य की चिंता गायब
- स्वार्थ की व्यवस्था में कैद देश का भविष्य,नेता-अधिकारी और आमजन–सब वर्तमान में खोए,भविष्य बेपरवाह
- दूरदर्शिता गायब,स्वार्थ हावी : विकास की दिशा पर बड़ा सवाल

-रवि सिंह-
कोरिया,18 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।

लोकतांत्रिक व्यवस्था में देश,राज्य,जिले, शहर और गांव के भविष्य को दिशा देने की जिम्मेदारी जिन जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों के कंधों पर होती है, वही आज अपने निजी स्वार्थों में इतने उलझ चुके हैं कि दूरदर्शी विकास की अवधारणा लगभग समाप्त होती नजर आ रही है, योजनाएं बन रही हैं, घोषणाएं हो रही हैं, बजट आवंटित हो रहे हैं, लेकिन इन सबके बीच जो सबसे महत्वपूर्ण पहलू है की भविष्य की ठोस और स्थायी योजना वह कहीं दिखाई नहीं देती,आज की स्थिति यह है कि वर्तमान की जरूरतों को भी आधा-अधूरा पूरा किया जा रहा है,जबकि भविष्य की चुनौतियों को लेकर कोई गंभीर चिंतन नहीं हो रहा,नीतियों और योजनाओं का स्वरूप ऐसा हो गया है,जिसमें दीर्घकालिक विकास की बजाय तात्कालिक लाभ और व्यक्तिगत स्वार्थ प्राथमिकता बन गए हैं।

योजनाओं का निर्माण या स्वार्थ का साधन?- यदि जमीनी स्तर पर देखा जाए तो विकास योजनाओं का स्वरूप पूरी तरह बदल चुका है, पहले योजनाएं इस दृष्टि से बनाई जाती थीं कि आने वाली पीढ़ियों को बेहतर संसाधन और सुरक्षित वातावरण मिल सके। लेकिन वर्तमान में कई योजनाएं केवल कागजों तक सीमित रह जाती हैं,ऐसी योजनाएं तैयार की जाती हैं, जिनका उद्देश्य विकास कम और निजी लाभ अधिक होता है, इन योजनाओं की उम्र भी अक्सर एक या दो वर्षों तक ही सीमित रहती है,दीर्घकालिक परियोजनाएं केवल दस्तावेजों में दिखाई देती हैं,जबकि जमीनी हकीकत इससे बिल्कुल अलग होती है,विकास का जो सपना जनता को दिखाया जाता है,वह अक्सर अधूरा ही रह जाता है,लोगों को उम्मीदें दी जाती हैं,लेकिन उन उम्मीदों को पूरा करने की दिशा में ठोस प्रयास नजर नहीं आते।

पर्यावरण और संसाधनों की अनदेखी- भविष्य की चिंता का सबसे बड़ा पहलू प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण होता है, लेकिन इस दिशा में भी गंभीर लापरवाही देखने को मिल रही है,न तो जल संरक्षण को प्राथमिकता दी जा रही है और न ही वायु गुणवत्ता को सुधारने के प्रयास हो रहे हैं,जंगलों की कटाई लगातार जारी है, तालाबों को पाटकर निर्माण कार्य किए जा रहे हैं और नदियों की स्थिति भी चिंताजनक होती जा रही है, पर्यावरण,जो आने वाली पीढ़ियों के लिए सबसे महत्वपूर्ण संपत्ति है,उसे आज केवल उपयोग की वस्तु मान लिया गया है,इतिहास गवाह है कि पहले के समय में जल प्रबंधन और पर्यावरण संरक्षण को लेकर अत्यंत दूरदर्शी सोच अपनाई जाती थी,बड़े-बड़े बांध, तालाब

और जल स्रोत इसी सोच का परिणाम थे, लेकिन वर्तमान में ऐसी सोच लगभग गायब हो चुकी है।

कमीशन आधारित विकास का आरोप- समाज में यह धारणा तेजी से मजबूत हो रही है कि विकास योजनाओं का चयन और क्रियान्वयन अब गुणवत्ता या आवश्यकता के आधार पर नहीं, बल्कि कमीशन के आधार पर हो रहा है, यह बात आम लोग नहीं,बल्कि वे लोग कहते हैं जो सीधे तौर पर इन योजनाओं से जुड़े होते हैं या काम के लिए अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के संपर्क में आते हैं,ऐसी स्थिति में योजनाओं की प्राथमिकता भी बदल जाती है, जो योजना अधिक आर्थिक लाभ दे सकती है,उसे प्राथमिकता दी जाती है, भले ही उसका दीर्घकालिक महत्व कम क्यों न हो,इससे वास्तविक विकास प्रभावित होता है और संसाधनों का दुरुपयोग बढ़ता है।

स्वार्थ के बीच धूमिल होती भविष्य की चिंता- जिम्मेदार पदों पर बैठे लोगों के लिए आज सबसे बड़ी प्राथमिकता व्यक्तिगत लाभ बन गई है, आर्थिक संसाधनों का संग्रह ही उनके लिए सफलता का मापदंड बन चुका है, इस सोच ने भविष्य की चिंता को पूरी तरह पीछे छोड़ दिया है,ऐसा कोई ठोस उदाहरण सामने नहीं आता,जहां दूरदर्शिता के साथ योजनाओं का निर्माण किया गया हो। अधिकांश निर्णय अल्पकालिक लाभ को ध्यान में रखकर लिए जा रहे हैं।

भविष्य की चुनौतियां और अनदेखी- यदि वर्तमान स्थिति को ध्यान में रखा जाए,तो आने वाले समय में जल संकट,पर्यावरण असंतुलन और संसाधनों की कमी जैसी समस्याएं और गंभीर हो सकती हैं,लेकिन इन चुनौतियों से निपटने के लिए अभी से कोई ठोस रणनीति बनती नजर नहीं आती,यदि यही स्थिति बनी रही,तो आने वाली पीढ़ियों को इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा। विकास की जो तस्वीर आज प्रस्तुत की जा रही है, वह वास्तविकता से काफी दूर है।

वर्तमान में सिमटी व्यवस्था-

आज की व्यवस्था का सबसे बड़ा संकट यह है कि वह केवल वर्तमान तक सीमित होकर रह गई है, भविष्य की कोई स्पष्ट रूपरेखा नहीं दिखाई देती। नीतियां बन रही हैं, लेकिन उनमें स्थायित्व का अभाव है, समाज को जाति, धर्म और राजनीतिक विचारधाराओं के आधार पर विभाजित कर दिया गया है, इससे लोगों का ध्यान मूल मुद्दों से हटकर अन्य विषयों पर केंद्रित हो गया है। परिणामस्वरूप, भविष्य की चुनौतियों पर गंभीर चर्चा ही नहीं हो पा रही है।

आम लोगों की भूमिका भी सवालों में-

केवल नेताओं और अधिकारियों को ही इसके लिए जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता, आम लोगों की भूमिका भी इस स्थिति में महत्वपूर्ण है, आज समाज का एक बड़ा वर्ग राजनीतिक विचारधाराओं में बंट चुका है और खुद को किसी न किसी विचारधारा का समर्थक साबित करने में लगा हुआ है, इस प्रक्रिया में लोग भविष्य की वास्तविक समस्याओं को नजरअंदाज कर रहे हैं, जल संकट, पर्यावरण संरक्षण, संसाधनों की कमी जैसे गंभीर मुद्दों पर चर्चा बहुत कम हो रही है, हर स्तर पर यदि कोई चिंतन हो रहा है, तो वह केवल राजनीतिक लाभ और हानि तक सीमित है।

दिशा बदलने की जरूरत

आज आवश्यकता इस बात की है कि विकास की परिभाषा को फिर से परिभाषित किया जाए, योजनाओं का निर्माण केवल वर्तमान को ध्यान में रखकर नहीं, बल्कि भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए किया जाना चाहिए,जिम्मेदारों को अपने दायित्व को समझना होगा और निजी स्वार्थ से ऊपर उठकर काम करना होगा, साथ ही आम लोगों को भी जागरूक होकर वास्तविक मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करना होगा, यदि समय रहते दिशा नहीं बदली गई, तो विकास का सपना केवल सपना बनकर ही रह जाएगा और आने वाला भविष्य और अधिक चुनौतीपूर्ण हो सकता है।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम का विरोध महिला विरोधी मानसिकता : निशांत सिंह 'सोलू'

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,18 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।

भारतीय जनता युवा मोर्चा सरगुजा के जिला अध्यक्ष निशांत सिंह (सोलू) ने केंद्र सरकार द्वारा लाए गए नारी शक्ति वंदन अधिनियम पर खुशी जताते हुए विपक्षी दलों के विरोध की कड़ी आलोचना की है। उन्होंने कहा कि इस अधिनियम का विरोध करना महिलाओं के अधिकारों और सम्मान के खिलाफ सोच को दर्शाता है। निशांत सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने महिलाओं को लोकसभा और विधानसभाओं

में 33 प्रतिशत आरक्षण देकर उन्हें उचित प्रतिनिधित्व और सम्मान देने का ऐतिहासिक निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि संसद में इस विधेयक के समर्थन में बड़ी संख्या में मत पड़े, जबकि विपक्ष ने इसका विरोध कर महिलाओं के सम्मान को ठेस पहुंचाने का कार्य किया है। उनका आरोप है कि वर्षों तक इस मुद्दे को लंबित रखने वाला विपक्ष आज भी नकारात्मक राजनीति कर रहा है।

नीति निर्धारण में महिलाओं की भागीदारी बढ़ेगी : भाजयुमो जिलाध्यक्ष ने कहा कि यह अधिनियम देश की नारी शक्ति को नीति निर्धारण में सीधी भागीदारी देने वाला है और विकसित भारत के संकल्प को मजबूत करेगा। उनके अनुसार यह कानून महिलाओं के नेतृत्व को नई दिशा देगा।

विपक्ष पर लगाया साजिश का आरोप : निशांत सिंह ने कहा कि विपक्ष द्वारा आरक्षण में विसंगतियां बताना और तकनीकी बहाने बनाना केवल इस बड़े बदलाव को रोकने की कोशिश है। विपक्ष कभी नहीं चाहता कि महिलाएं सशक्त होकर नेतृत्वकारी भूमिका में आगे आएं।

महिलाएं देंगी जवाब : उन्होंने कहा कि देश की आधी आबादी अब अपने अधिकारों के प्रति जागरूक हो चुकी है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम का विरोध करने वालों को आने वाले समय में देश की महिलाएं लोकतांत्रिक तरीके से जवाब देंगी।

आयुषी पण्डो ने बढ़ाया मान : 10 वीं में 91 प्रतिशत अंक,जिले का बढ़ाया मान

-संवाददाता-
सूरजपुर,18 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।

जिले के छोटे से गांव नारायणपुर की बेटी आयुषी पण्डो ने सीबीएसई 10 वीं परीक्षा में 91 प्रतिशत अंक हासिल कर पूरे सूरजपुर जिले को गौरवान्वित किया है। जवाहर नवोदय विद्यालय, बसदई की छात्रा आयुषी पण्डो शिक्षिका राजपति पण्डो और शिक्षक त्रिलोकी नाथ पण्डो की सुपुत्री हैं, उन्होंने अपनी मेहनत और लगन से यह शानदार सफलता हासिल की है, जिससे परिवार के साथ-साथ जिले में भी खुशी का माहौल है, आयुषी ने अपनी इस उपलब्धि का श्रेय अपने माता-पिता के सहयोग,शिक्षकों के मार्गदर्शन और निरंतर मेहनत को दिया है,बचपन से ही मेधावी रही आयुषी पढ़ाई के साथ-साथ चित्रकला,लेखन और सांस्कृतिक गतिविधियों में भी सक्रिय रही हैं,जहां उन्होंने कई बार अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया है,उन्होंने बताया कि सफलता पाने के लिए समयबद्ध तैयारी,अनुशासन और निरंतर अभ्यास बेहद जरूरी होता है।

CMYK

खौफनाक....गुफा में तपस्या कर रहे साधु को भालू ने मार डाला,एमसीबी जंगल में दहशत

जंगल में मौत का हमला : साधु पर भालू का कहर,गुफा बनी कब

तपस्या में लीन साधु पर भालू का हमला,मौके पर दर्दनाक मौत...

भालू बना कालः एकांत गुफा में साधु की जानलेवा मौत...

बीहड़ जंगल में खौफनाक मंजर : साधु पर भालू का हमला,इलाके में दहशत...

गर्मी में पानी की तलाश बना जानलेवाः भालू ने साधु को मार डाला

गुफा में आमना-सामना बना जानलेवाः भालू के हमले में साधु की मौत...

भालू का आतंकः गुफा में साधु पर हमला,एमसीबी में दहशत...

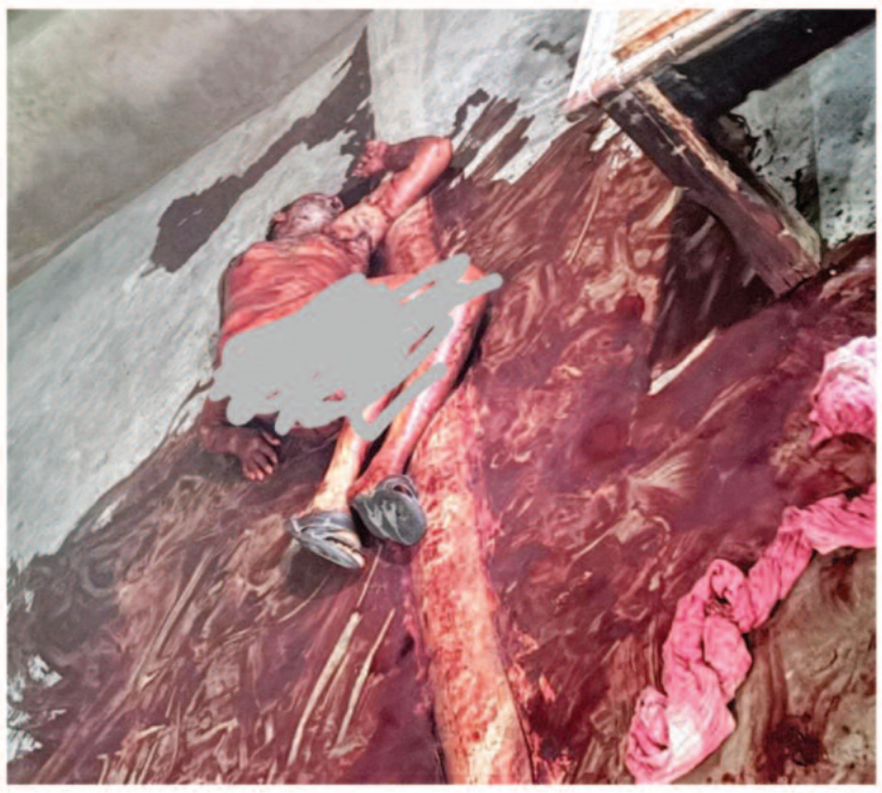

-संवाददाता-
जनकपुर/एमसीबी,18 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ के नवगठित जिला मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (एमसीबी) से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है,जिसने पूरे क्षेत्र को स्तब्ध कर दिया है, जनकपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम रेद स्थित बाघमाड़ा के घने जंगलों में एक साधु पर भालू ने उस वक्त हमला कर दिया,जब वह एक प्राकृतिक गुफा में तपस्या कर रहे थे,हमले की क्रूरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि साधु की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई,इस घटना के बाद से पूरे इलाके में भय और दहशत का माहौल है।

साधना के बीच काल बनकर आया भालू

मृतक की पहचान बाबा लोकराम के रूप में हुई है,जो पिछले कई वर्षों से बाघमाड़ा के बीहड़ और एकांत जंगलों में रहकर तपस्या कर रहे थे,उन्होंने एक प्राकृतिक गुफा को अपना निवास बना लिया था,जहां वे दिन-रात साधना में लीन रहते थे,स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार बाबा का जीवन पूरी तरह से जंगल और प्रकृति के बीच ही बीतता था और वे शायद ही कभी बाहरी दुनिया से संपर्क रखते थे,बताया जा रहा है कि इन दिनों क्षेत्र में भीषण गर्मी पड़ रही है,जिसके कारण जंगलों में पानी के स्रोत तेजी से सूख रहे हैं,ऐसे में जंगली जानवर,विशेषकर भालू, ठंडक और पानी की तलाश में गुफाओं और छायादार स्थानों की ओर रुख कर रहे हैं,बीती रात भी कुछ ऐसा ही हुआ,जब एक भालू उसी गुफा में जा पहुंचा,जहां बाबा लोकराम तपस्या में लीन थे,अचानक हुए इस आमने-सामने के टकराव में भालू ने आक्रामक रुख अपनाया और बाबा पर हमला कर दिया,गुफा जैसी संकरी जगह में बाबा के पास बचने का कोई रास्ता नहीं था,भालू के हमले में उन्हें गंभीर चोटें आईं और उनकी मौके पर ही मृत्यु हो गई।

इलाके में फैली दहशत-इस घटना के बाद से पूरे क्षेत्र में भय का माहौल है, ग्रामीणों और श्रद्धालुओं में दहशत फैल गई है, बाघमाड़ा और आसपास के गांवों में लोग अब जंगल की ओर जाने से डर रहे हैं, खासकर वे लोग,जो जंगल के रास्तों से आवागमन करते हैं या लकड़ी और अन्य वन उत्पादों के लिए जंगल पर निर्भर हैं, वे बेहद सहमे हुए हैं,स्थानीय लोगों का कहना है कि उन्होंने पहले भी जंगल में भालुओं की गतिविधियां देखी हैं,लेकिन इस तरह का जानलेवा हमला पहली बार सामने आया है, इससे लोगों के मन में असुरक्षा की भावना बढ़ गई है।

घटना का स्थल और परिस्थितियां

यह घटना जनकपुर थाना क्षेत्र के ग्राम रेद के अंतर्गत आने वाले बाघमाड़ा के जंगलों में हुई है,यह इलाका घने जंगलों और वन्यजीवों की सक्रियता के लिए जाना जाता है,यहां लंबे समय से भालुओं की मौजूदगी दर्ज की जाती रही है,लेकिन किसी साधु पर इस तरह के हमले की घटना ने सभी को चौंका दिया है,गुफा,जहां बाबा रहते थे,जंगल के भीतर एकांत स्थान पर स्थित है,आसपास कोई बस्ती नहीं है और न ही वहां तक पहुंचने के लिए कोई पक्का रास्ता है,यही कारण है कि घटना की जानकारी भी देर से सामने आई।

सूचना मिलते ही हरकत में आया प्रशासन

घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस और वन विभाग की टीम तुरंत मौके पर पहुंची, अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और स्थिति का जायजा लिया,गुफा के भीतर से बाबा का शव बरामद किया गया,जिसे पंचनामा कार्रवाई के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया,वन विभाग के अधिकारियों ने प्रारंभिक जांच में इसे जंगली भालू का हमला माना है,घटनास्थल के आसपास भालू के पैरों के निशान भी पाए गए हैं,जिससे यह स्पष्ट होता है कि हमला किसी जंगली जानवर द्वारा ही किया गया है।

वन्यजीवों की बढ़ती गतिविधियां और कारण

विशेषज्ञों के अनुसार गर्मी के मौसम में जंगलों में जल स्रोतों के सूखने के कारण वन्यजीवों की गतिविधियां बढ़ जाती हैं, भालू जैसे जानवर ठंडक और पानी की तलाश में नए क्षेत्रों में पहुंच जाते हैं, गुफाएं,पेड़ों की छाया और जल स्रोतों के आसपास के इलाके उनके लिए आकर्षण का केंद्र बन जाते हैं, बाघमाड़ा का जंगल पहले से ही भालुओं की मौजूदगी के लिए जाना जाता है, ऐसे में जब इंसान और जंगली जानवर एक ही स्थान पर आमने-सामने आ जाते हैं,तो इस तरह की घटनाओं की संभावना बढ़ जाती है।

प्रशासन की अपील और सतर्कता

घटना के बाद वन विभाग और जिला प्रशासन ने इलाके में हाई अलर्ट जारी कर दिया है,अधिकारियों ने ग्रामीणों और श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे जंगल के भीतर या गुफाओं जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में अकेले न जाएं,रात के समय जंगल के आसपास जाने से बचने की भी सलाह दी गई है,यदि किसी जंगली जानवर की गतिविधि दिखाई देती है,तो तत्काल वन विभाग को सूचित करने के निर्देश दिए गए हैं,वन विभाग की टीम लगातार इलाके में निगरानी कर रही है और भालू की गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोका जा सके।

वन विभाग का बयान

वन विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि गर्मी के मौसम में इस तरह की घटनाएं बढ़ जाती हैं,क्योंकि वन्यजीव अपने प्राकृतिक आवास से बाहर निकलकर नए स्थानों की ओर जाते हैं, उन्होंने कहा कि हमने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया है,गर्मी के दिनों में वन्यजीव अक्सर गुफाओं और छायादार स्थानों पर शरण लेते हैं,ग्रामीणों को जंगल की ओर न जाने की सलाह दी गई है और हमारी टीम लगातार भालू की मूवमेंट पर नजर रख रही है।

मानव-वन्यजीव संघर्ष की बढ़ती चुनौती

यह घटना केवल एक हादसा नहीं है,बल्कि मानव और वन्यजीवों के बीच बढ़ते संघर्ष की भी एक गंभीर चेतावनी है, जैसे-जैसे जंगलों का क्षेत्र सिकुड़ता जा रहा है और जल स्रोत खत्म हो रहे हैं, वैसे-वैसे जंगली जानवरों और इंसानों के बीच टकराव की घटनाएं बढ़ रही हैं,कोरिया और एमसीबी जैसे वन क्षेत्रों में यह समस्या और अधिक गंभीर है, जहां बड़ी संख्या में लोग जंगलों पर निर्भर हैं और वन्यजीवों की भी पर्याप्त मौजूदगी है।

सतर्कता ही बचाव

बाघमाड़ा की इस दर्दनाक घटना ने एक बार फिर यह स्पष्ट कर दिया है कि जंगल और वन्यजीवों के बीच संतुलन बनाए रखना कितना जरूरी है,जहां एक ओर वन्यजीव अपने अस्तित्व के लिए संघर्ष कर रहे हैं,वहीं दूसरी ओर इंसानों को भी अपनी सुरक्षा के लिए सतर्क रहना होगा, बाबा लोकराम की मौत ने पूरे क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया है,यह घटना एक चेतावनी है कि प्राकृतिक क्षेत्रों में बिना सतर्कता के जाना कितना खतरनाक हो सकता है,फिलहाल प्रशासन और वन विभाग की टीमें स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं, लेकिन इस तरह की घटनाओं को रोकने के लिए जन जागरूकता और सावधानी ही सबसे बड़ा उपाय है।

छात्र संघ चुनाव की बहाली को लेकर एनएसयूआई ने विधायक को सौंपा ज्ञापन

-संवाददाता-
सूरजपुर,18 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।

प्रदेश के महाविद्यालयों में लंबे समय से बंद पड़े छात्र संघ चुनावों को पुनःशुरू कराने की मांग अब जोर पकड़ने लगी है, इसी कड़ी में भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) के जिलाध्यक्ष आकाश साहू के नेतृत्व में संगठन के पदाधिकारियों ने प्रेमनगर विधानसभा क्षेत्र के विधायक भूलन सिंह मराबी को ज्ञापन सौंपकर छात्र संघ चुनाव बहाल करने की मांग उठाई।

लंबे समय से चुनाव बंद,लोकतांत्रिक अधिकारों पर सवाल-ज्ञापन में एनएसयूआई ने उल्लेख किया कि प्रदेश के अधिकांश महाविद्यालयों में कई वर्षों से छात्र संघ चुनाव नहीं कराए गए हैं,इससे छात्रों के लोकतांत्रिक अधिकार प्रभावित हो रहे हैं, संगठन का कहना है कि छात्र संघ चुनाव न होने के कारण छात्रों की समस्याएं प्रभावी तरीके से प्रशासन तक नहीं पहुंच पा रही हैं और उनकी आवाज लगातार दब रही है।

पांच सूत्रीय मांग रखी गई-एनएसयूआई ने विधायक को सौंपे ज्ञापन में पांच प्रमुख मांगें रखीं, जिनमें सबसे अहम प्रदेश के सभी महाविद्यालयों में तत्काल छात्र संघ चुनाव बहाल करना है,इसके साथ ही चुनाव प्रक्रिया को निष्पक्ष,पारदर्शी और समयबद्ध बनाने की मांग भी की गई, संगठन ने चुनाव कार्यक्रम की जल्द घोषणा करने, छात्र प्रतिनिधियों को अधिकार और मान्यता देने तथा लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा करते हुए छात्र संघ व्यवस्था को पुनः लागू करने की भी मांग की है।

चरणबद्ध आंदोलन का हिस्सा-एनएसयूआई ने स्पष्ट किया कि यह ज्ञापन प्रदेशव्यापी चरणबद्ध आंदोलन का एक हिस्सा है,संगठन आने वाले समय में इस मुद्दे को और तेजी से उठाएगा ताकि सरकार छात्रों की मांगों पर गंभीरता से विचार करे।

बड़ी संख्या में कार्यकर्ता रहे मौजूद-ज्ञापन सौंपने के दौरान एनएसयूआई के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे,इस दौरान अफरोज खान,प्रदेश सचिव राजेश साहू,शाहरुख खान,लिवनेश सिंह,शिवम साहू,विनय दास महंत,यश दास,नितेश साहू,सुमंत राजवाड़े,शशिकला मरावी,मोनिका प्रजापति,अमित पैकरा,सोमू खान,दानिश अंसारी,विकास,अखिलेश सिंह सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

विधिक जागरूकता कार्यक्रम : छात्रों को अधिकारों और कर्तव्यों की दी जानकारी

-संवाददाता-
सूरजपुर,18 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के मार्गदर्शन में शासकीय पॉलीटेक्निक कॉलेज सूरजपुर में विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया, कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश,फास्ट ट्रैक विशेष न्यायालय सूरजपुर आनंद प्रकाश वारियाल ने की, कार्यक्रम का शुभारंभ न्यायाधीश एवं महाविद्यालय के प्राचार्य द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ किया गया।

पॉक्सो एक्ट की गंभीरता से कराया अवगत- कार्यक्रम में न्यायाधीश श्री वारियाल ने POCSO Act 2012 के प्रावधानों पर विस्तार से जानकारी दी, उन्होंने छात्रों को इस अधिनियम के अंतर्गत आने वाले अपराधों, साक्ष्य संकलन प्रक्रिया एवं न्यायालयीन कार्यवाही के महत्वपूर्ण पहलुओं को सरल भाषा में समझाया। साथ ही उदाहरणों के माध्यम से इसके दुष्परिणामों से भी अवगत कराया।

मोबाइल और इंटरनेट के सुरक्षित उपयोग पर जोर-उन्होंने Information Technology Act 2000 के तहत डिजिटल व्यवहार की जिम्मेदारी समझाते हुए कहा कि मोबाइल और इंटरनेट का उपयोग सोच-समझकर करना चाहिए,उन्होंने बताया कि ऑनलाइन की गई गतिविधियां छुपती नहीं हैं, इसलिए इसका उपयोग केवल सकारात्मक कार्यों और सीखने के लिए ही करें।

निःशुल्क विधिक सहायता की दी जानकारी-Legal Services Authorities Act 1987 के तहत मिलने वाली निःशुल्क कानूनी सहायता के बारे में जानकारी देते हुए उन्होंने कहा कि आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोग भी न्याय पाने के हकदार हैं। उन्होंने बताया कि तहसील स्तर से लेकर Supreme Court of India तक विधिक सेवा प्राधिकरण सहायता प्रदान करते हैं, उन्होंने लोगों से अपील की कि किसी भी समस्या में निराश न हों और नालसा के टोल फ्री नंबर 15100 पर संपर्क करें।

मोटर व्हीकल एक्ट और यातायात नियमों पर विशेष जोर- Motor Vehicles Act 1988 के प्रावधानों पर चर्चा करते हुए उन्होंने ड्राइविंग लाइसेंस और वाहन बीमा को अनिवार्य बताया, उन्होंने कहा कि नियमों का उल्लंघन न केवल कानूनी अपराध है,बल्कि इससे गंभीर आर्थिक और शारीरिक नुकसान भी हो सकता है।

छात्रों-शिक्षकों ने पूछे सवाल- कार्यक्रम के दौरान छात्रों और शिक्षकों ने कानून से जुड़े कई प्रश्न पूछे,जिनका न्यायाधीश ने सरल और स्पष्ट भाषा में जवाब दिया।

संचालन और आभार-कार्यक्रम का संचालन लेक्चरर विवेक मेहता ने किया, जबकि लेक्चरर अवधेश ने आभार व्यक्त किया।

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा,
रा0प्र0क्र0 /20(1)/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक शैलेन्द्र कुमार सिन्हा, सुशील कुमार सिन्हा आ0 स्व0 नागेन्द्र प्रसाद सिन्हा जाति, निवासी केदारपुर, अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा मोहल्ला-केदारपुर, शीट नम्बर-1 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 173, 174 रकबा 0.02, 0.14 एकड़ भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा / आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 27-04-2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा / आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा।

आज दिनांक- 10/04/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी ।

सील — नजूल अधिकारी ,अंबिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा,
रा0प्र0क्र0 /20(1)/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक ललिता सिन्हा आ0 बागेश्वरी प्रसाद सिन्हा जाति, निवासी अस्पताल रोड दर्रीपारा अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा मोहल्ला - दर्रीपारा, शीट नम्बर-10 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 3937/3 रकबा 0.02$^{1/4}$ एकड़ भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा / आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 27-04-2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा / आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा ।

आज दिनांकः- 10/04/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी ।

सील — नजूल अधिकारी ,अंबिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा,
रा0प्र0क्र0 /20(1)/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक शंकर राय आ0 बैधनाथ राय जाति भूमिहार, निवासी केदारपुर, अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा मोहल्ला - केदारपुर, शीट नम्बर-1 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 47/16, 81/10, 99/47 रकबा क्रमशः 0.015$^{1/2}$, 0.016, 0.051 हे0 भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा / आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 28-04-2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा / आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा ।

आज दिनांक- 13/04/26 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी ।

सील — नजूल अधिकारी ,अंबिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा,
रा0प्र0क्र0 /20(1)/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक अरविन्द कुमार सिंह, देवेन्द्र कुमार सिंह, रविन्द्रनाथ सिंह आ0 दीनानाथ सिंह जाति, निवासी केदारपुर, अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा मोहल्ला - केदारपुर, शीट नम्बर-1 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 165/3, 169/2, 170/2 रकबा क्रमशः 0.02$^{3/4}$, 0.06 एकड़ भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 28-04-2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा / आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा।

आज दिनांक- 13/04/26 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी ।

सील — नजूल अधिकारी ,अंबिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा,
रा0प्र0क्र0 /20(1)/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्रीमती सीता सोनकर आ0 कमल सोनकर जाति, निवासी सत्तीपारा, अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा मोहल्ला सत्तीपारा, शीट नम्बर-2 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 653/10, 758/74 रकबा 108.30, 1794.97 वर्गफीट भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 27-04-2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा / आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा।

आज दिनांकः- 10/04/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी ।

सील — नजूल अधिकारी ,अंबिकापुर

न्यायालय नायब तहसीलदार दरिमा, सरगुजा,छ0ग0
रा0प्र0क्र0 /ब-121/2024-25

ईश्तहार

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है - आवेदक/ आवेदिका मनोज कुमार पिता/पति रामदेव निवासी ग्राम कतकालो के द्वारा जन्म/मृत्यु रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1969 के धारा 13 (3) एवं छ0ग0 जन्म/ मृत्यु रजि0 नियम 2001 के नियम 09 (3) के अन्तर्गत अपने दादी स्वः मानकुवर पिता का मृत्यु दिनांक 20/09/2009 को ग्राम कतकालो में होना बतलाते हुये उनके जन्म/मृत्यु प्रमाण पत्र प्रदाय बावत आवेदन प्रस्तुत किया है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ति हो तो अपनी आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से जारी दिनांक से 15 दिवस के भीतर इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा।

आज दिनांक 07/04/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

सील — नायब तहसीलदार दरिमा,जिला-सरगुजा

कोरिया में जल संकट बेकाबू...

7 टेक्नीशियन पर 1000 हैंडपंप,प्यास से बेहाल गांव

नल हैं पर जल नहीं,38 हजार कनेक्शन के बाद भी सूखा कोरिया

- हांफता सिस्टम,प्यासा जिला खराब हैंडपंप,टंकियां बनी शोपीस....
- 21 करोड़ की योजना टेंडर में अटकी,गांवों में पानी के लिए हाहाकार
- लाल पानी उगलते हैंडपंप,टैंकरों पर टिकी जिंदगी
- जल जीवन मिशन फेल ? कोरिया में नल सूखे,टंकियां खाली

- कोरिया में पानी का संकट गहराया...नदी सूखी,तालाब खाली
- टेंडर में फंसी 'नरकेली-कटगोड़ी' योजना,डेढ़ साल पीछे विकास
- प्यासे गांव, मौन प्रशासन...कागजों में विकास,जमीन पर संकट
- हैंडपंप खराब, पाइपलाइन सूखी : कोरिया में जल व्यवस्था चरमराई
- गर्मी शुरू, संकट विकराल : कोरिया में पानी के लिए जंग

राजन पाण्डेय

कोरिया/सोनहत,18 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।

अभी गर्मी ने पूरी तरह से अपने तेवर भी नहीं दिखाए हैं, लेकिन छत्तीसगढ़ के कोरिया जिले में जल संकट ने भयावह रूप लेना शुरू कर दिया है,हालात यह हैं कि गांवों में पानी के लिए मारामारी की स्थिति बन चुकी है,कहीं नदियों की धार सूखने की कगार पर है तो कहीं करोड़ों की लागत से बनी पानी की टंकियां केवल ढांचा बनकर खड़ी हैं, ग्रामीण इलाकों में स्थिति सबसे ज्यादा गंभीर है,जहां लोग बूंद-बूंद पानी के लिए जूझ रहे हैं और दिनचर्या पूरी तरह पानी के इंतजाम पर निर्भर हो गई है।

सिस्टम का गणित : 7 कंधों पर 1000 से अधिक हैंडपंपों का बोझ

जिले में जल आपूर्ति व्यवस्था की असल तस्वीर आंकड़ों से साफ नजर आती है,एक ओर सरकार जल उपलब्धता के दावे कर रही है,वहीं दूसरी ओर जमीनी हकीकत यह है कि 1000 से अधिक हैंडपंपों की जिम्मेदारी केवल 7 टेक्नीशियनों के भरोसे छोड़ दी गई है, इस असंतुलन ने पूरे सिस्टम को चरमरा दिया है,करीब 250 हैंडपंप वर्तमान में खराब पड़े हैं और शोपीस बने हुए हैं, ग्रामीणों के लिए ये हैंडपंप कभी जीवनरेखा हुआ करते थे,लेकिन अब ये बेकार ढांचे में बदल चुके हैं,गर्मी के मौसम में जब हर हैंडपंप पर सैकड़ों लोगों की निर्भरता होती है,तब इतनी बड़ी संख्या में खराब हैंडपंप होना सीधे तौर पर जल संकट को और गहरा कर रहा है। तकनीकी अमले की कमी के कारण मरम्मत कार्य समय पर नहीं हो पा रहा है और लोग पानी के लिए दर-दर भटकने को मजबूर हैं।

नदियां सूखी,तालाबों ने छोड़ा साथ

कोरिया जिले की जल स्थिति केवल हैंडपंपों तक सीमित नहीं है,बल्कि प्राकृतिक जल स्रोत भी तेजी से समाप्त हो रहे हैं,जिले की प्रमुख नदी हसदेव इस समय अपने सबसे खराब दौर से गुजर रही है,नदी की धार बेहद पतली हो गई है और कई स्थानों पर सूखने की स्थिति में पहुंच चुकी है,नदी के जलस्तर में गिरावट का सीधा असर भूजल स्तर पर पड़ा है। भूजल स्तर नीचे जाने के कारण तालाब और कुएं भी सूखने लगे हैं। गांवों में पानी के पारंपरिक स्रोत खत्म होने लगे हैं, जिससे ग्रामीणों की परेशानी कई गुना बढ़ गई है। मवेशियों के लिए भी पानी का संकट उत्पन्न हो गया है और कई स्थानों पर उन्हें प्यासा रहना पड़ रहा है।

जल जीवन मिशन : 'नल' है,पर 'जल' नहीं

केंद्र और राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी योजना 'जल जीवन मिशन' का उद्देश्य हर घर तक शुद्ध पेयजल पहुंचाना है,लेकिन कोरिया जिले में यह योजना अपेक्षाओं पर खरी नहीं उतर रही है,जिले के कई गांवों में स्थिति यह है कि जहां जल स्रोत मौजूद हैं,वहां पाइपलाइन या नल की सुविधा नहीं है। वहीं दूसरी ओर जहां नल लगाए गए हैं,वहां पानी नहीं पहुंच रहा है,हजारों घरों में कनेक्शन तो दे दिए गए हैं,लेकिन पाइपलाइन में पानी का दबाव शून्य है,गांवों में बनाई गई ऊंची पानी की टंकियां खाली पड़ी हैं। ये टंकियां अब केवल सरकारी योजनाओं का प्रतीक बनकर रह गई हैं, जिनमें भरने के लिए पानी उपलब्ध नहीं है। ग्रामीणों के लिए ये ढांचे उनकी उम्मीदों पर खरे नहीं उतर पा रहे हैं।

पंचायत टैंकरों के भरोसे जिंदगी

जल संकट के चलते कई गांव पूरी तरह टैंकरों पर निर्भर हो चुके हैं, बैकुण्ठपुर के जगतपुर और सोनहत ब्लॉक के नौगई पंचायत के आनंदपुर गांव जैसे क्षेत्रों में स्थिति बेहद गंभीर है,यहां के हैंडपंप या तो पूरी तरह खराब हो चुके हैं या फिर'लाल पानी' उगल रहे हैं,जो पीने योग्य नहीं है, ग्रामीणों को मजबूरी में पंचायत द्वारा भेजे जा रहे टैंकरों से पानी लेना पड़ रहा है। कई बार टैंकर समय पर नहीं पहुंचते,जिससे लोगों को घंटों इंतजार करना पड़ता है। कुछ स्थानों पर लोग निजी बोरवेल मालिकों से महंगे दामों पर पानी खरीदने को विवश हैं,स्थिति की विडंबना यह है कि कई खराब हैंडपंपों की जानकारी सरकारी रिकॉर्ड में दर्ज ही नहीं है,इससे मरम्मत कार्य और भी प्रभावित हो रहा है और समस्या लगातार बढ़ती जा रही है।

आंकड़ों में 'नल',हकीकत में प्यास

कोरिया जिले में जल जीवन मिशन के तहत 38,054 घरों तक नल कनेक्शन पहुंचाने का दावा किया गया है,लेकिन वास्तविकता इससे बिल्कुल अलग है,बैकुण्ठपुर और सोनहत ब्लॉक में 51,764 घरों को चिह्नित किया गया था, जिनमें से बड़ी संख्या में घरों में केवल नल लगा दिए गए हैं,लेकिन उनमें पानी नहीं आ रहा है,कई गांवों में सोलर सिस्टम के माध्यम से सीमित पानी आपूर्ति की जा रही है, लेकिन यह व्यवस्था भी पर्याप्त नहीं है,ग्रामीणों का कहना है कि जब तक स्थायी जल स्रोत विकसित नहीं किए जाएंगे,तब तक पाइपलाइन और नल केवल दिखावा ही बने रहेंगे,घरों के बाहर लगे नल अब सुविधा का प्रतीक नहीं, बल्कि व्यवस्था की विफलता का उदाहरण बन गए हैं।

कटगोड़ी-नरकेली योजना : टेंडर में फंसा 21 करोड़ का प्रोजेक्ट

कोरिया जिले में जल संकट से निपटने के लिए शुरू की गई नरकेली और कटगोड़ी समूह जलप्रदाय योजना भी अब फाइलों में अटकी हुई है,इस योजना के तहत 64 ग्राम पंचायतों में शुद्ध पेयजल पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया था,करीब 21 करोड़ रुपये की लागत वाली इस परियोजना को दिसंबर 2024 तक पूरा किया जाना था,लेकिन ठेकेदार के दस्तावेजों में गड़बड़ी के कारण टेंडर निरस्त कर दिया गया, इसके चलते परियोजना लगभग डेढ़ साल पीछे चली गई है, इस योजना में 2.0 एमएलडी क्षमता का फिल्टर प्लांट और करीब 63,930 मीटर लंबी पाइपलाइन बिछाने का प्रस्ताव था,जिससे 4,748 घरों को लाभ मिलना था,साथ ही कई स्थानों पर बड़ी क्षमता की पानी की टंकियां भी बनाई जानी थीं,लेकिन वर्तमान में यह पूरा प्रोजेक्ट ठप पड़ा है।

प्रशासन के सामने बड़ी चुनौती

जिले में जल संकट को देखते हुए प्रशासन के सामने बड़ी चुनौती खड़ी हो गई है,यदि समय रहते खराब पड़े 250 हैंडपंपों की मरम्मत नहीं की गई और वैकल्पिक जल स्रोतों की व्यवस्था नहीं की गई,तो स्थिति और गंभीर हो सकती है, ग्रामीणों में असंतोष बढ़ता जा रहा है और यदि समस्या का समाधान नहीं हुआ तो यह जनआक्रोश में बदल सकता है,गर्मी के चरम पर पहुंचने से पहले ठोस कदम उठाना बेहद जरूरी है।

पेयजल नियंत्रण प्रकोष्ठ का गठन

जल संकट से निपटने के लिए जिला प्रशासन ने 30 जून 2026 तक पेयजल नियंत्रण प्रकोष्ठ का गठन किया है, इसका उद्देश्य शिकायतों का त्वरित समाधान करना और जल आपूर्ति व्यवस्था को बेहतर बनाना है,प्रकोष्ठ के तहत सुबह 8 बजे से रात 8 बजे तक शिकायत दर्ज करने की सुविधा दी गई है,सभी जनपद और उपखंड कार्यालयों में शिकायत पंजी उपलब्ध कराए गए हैं,जहां नागरिक अपनी समस्या दर्ज करा सकते हैं।

शिकायत और संपर्क व्यवस्था

प्रशासन ने जल समस्या के समाधान के लिए अधिकारियों और तकनीशियनों के संपर्क नंबर भी जारी किए हैं,कंट्रोल रूम में सहायक अभियंता प्रखर बेले,उप अभियंता भूपेंद्र सिंह कोर्वे, अभिषेक कुमार कुशवाहा और ज्योत्सना लकड़ा को जिम्मेदारी दी गई है,इसके अलावा विभिन्न क्षेत्रों में हैंडपंप सुधार के लिए तकनीशियन नियुक्त किए गए हैं, जिनमें कुडेली/पटना क्षेत्र में अमित कुमार टोप्पो,बैकुण्ठपुर में हेमंत कुमार और प्रियंका विश्वकर्मा,कटगोड़ी में समयलाल, सोनहत में अंकुश कुमार निर्मलकर, रामगढ़ में अंजय कुमार और बचरा पोड़ी में देवशरण शामिल हैं।

उम्मीद और हकीकत के बीच फंसा कोरिया

कोरिया जिले की वर्तमान स्थिति यह दर्शाती है कि योजनाओं और उनके क्रियान्वयन के बीच बड़ी खाई है, एक ओर कागजों में विकास के दावे हैं,वहीं दूसरी ओर जमीन पर लोग पानी के लिए संघर्ष कर रहे हैं,गर्मी अभी अपने चरम पर नहीं पहुंची है,लेकिन हालात पहले ही बिगड़ चुके हैं,ऐसे में यदि प्रशासन ने समय रहते ठोस और प्रभावी कदम नहीं उठाए,तो आने वाले दिनों में स्थिति और भी भयावह हो सकती है, फिलहाल कोरिया की जनता आसमान की ओर उम्मीद भरी नजरों से देख रही है कि शायद बारिश जल्दी आए,या फिर सिस्टम जागे और उनकी प्यास बुझाने का कोई स्थायी समाधान निकले।

निजी स्कूलों की मनमानी के खिलाफ सूरजपुर में युवक कांग्रेस का प्रदर्शन,फीस वृद्धि और किताब-ड्रेस पर उठे सवाल

-संवाददाता-

सूरजपुर,18 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ के सूरजपुर जिले में निजी स्कूलों की बढ़ती मनमानी के खिलाफ छत्तीसगढ़ युवक कांग्रेस ने मोर्चा खोल दिया है,संगठन के जिला उपाध्यक्ष अविनाश यादव के नेतृत्व में कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर फीस वृद्धि, किताबों और ड्रेस को लेकर हो रही अनियमितताओं पर तत्काल कार्रवाई की मांग की गई।

फीस वृद्धि से अभिभावक परेशान- ज्ञापन में बताया गया कि नए शैक्षणिक सत्र की शुरुआत होते ही निजी स्कूल अभिभावकों पर आर्थिक बोझ बढ़ा देते हैं,हर साल मनमाने तरीके से फीस में बढ़ोतरी की जाती है,जिससे मध्यम और निम्न वर्ग के अभिभावक खासे परेशान हैं, नियमों की अनदेखी कर स्कूल प्रबंधन अपनी शर्तें थोप रहे हैं।

किताब और ड्रेस में 'एकाधिकार' का आरोप-युवक कांग्रेस ने आरोप लगाया कि कई निजी स्कूल अभिभावकों को एक ही निर्धारित दुकान से किताबें और यूनिफॉर्म खरीदने के लिए बाध्य करते हैं, इतना ही नहीं,हर साल किताबों और ड्रेस में बदलाव कर दिया जाता है,जिससे अतिरिक्त आर्थिक बोझ बढ़ता है, संगठन का कहना है कि स्कूलों को केवल एनसीईआरटी की मान्यता प्राप्त किताबें पढ़ानी चाहिए,लेकिन इसके विपरीत महंगी और अनावश्यक किताबें बेची जा रही हैं।

बुनियादी सुविधाओं की कमी पर भी सवाल-ज्ञापन में यह भी उजागर किया गया कि कई निजी स्कूलों में खेल मैदान, स्वच्छ पेयजल, शौचालय और प्रशिक्षित शिक्षकों जैसी बुनियादी सुविधाओं का अभाव है,इसके बावजूद अभिभावकों से भारी फीस वसूली जा रही है, जो गंभीर चिंता का विषय है।

सरकारी स्कूलों की स्थिति भी चिंता का विषय-युवक कांग्रेस ने सरकारी स्कूलों की स्थिति पर भी सवाल उठाए हैं,संसाधनों की कमी और शिक्षकों की अनुपलब्धता के कारण कई सरकारी स्कूल कमजोर स्थिति में हैं,जिससे अभिभावक मजबूरी में निजी स्कूलों का रुख कर रहे हैं।

शुल्क विनियमन अधिनियम का हवाला-ज्ञापन में छत्तीसगढ़ शुल्क विनियमन अधिनियम 2020 का उल्लेख करते हुए कहा गया कि फीस वृद्धि का निर्णय अभिभावकों के साथ बैठक कर पारदर्शिता के साथ होना चाहिए,लेकिन निजी स्कूल इस नियम का पालन नहीं कर रहे हैं।

प्रशासन से प्रमुख मांगें-युवक कांग्रेस ने प्रशासन से मांग की है कि निजी स्कूलों की फीस वृद्धि पर तत्काल रोक लगाई जाए, किताब और ड्रेस के लिए एक ही दुकान से खरीदने का दबाव खत्म किया जाए, स्कूलों में बुनियादी सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं और नियमों का उल्लंघन करने वाले स्कूलों पर सख्त कार्रवाई की जाए।

आंदोलन की चेतावनी- ज्ञापन के अंत में युवक कांग्रेस ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं की गई, तो संगठन जन आंदोलन करेगा,जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

लटोरी में 15 दिवसीय वॉलीबॉल प्रशिक्षण शिविर शुरू,खिलाड़ियों को निखारने की पहल

-संवाददाता-

सूरजपुर,18 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।

जिले में खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से ग्राम लटोरी में 15 दिवसीय वॉलीबॉल प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ किया गया है, यह शिविर 17 अप्रैल 2026 से 31 अप्रैल 2026 तक लटोरी स्कूल ग्राउंड में आयोजित किया जा रहा है,जिसका संचालन अमेच्योर वॉलीबॉल संघ सूरजपुर के तत्वावधान में किया जा रहा है।

खिलाड़ियों को दी जा रही आधुनिक प्रशिक्षण की सुविधा

इस प्रशिक्षण शिविर में खिलाड़ियों को वॉलीबॉल खेल की बुनियादी तकनीकों से लेकर उन्नत कौशल तक की जानकारी दी जा रही है,प्रशिक्षकों द्वारा बेसिक स्किल डेवलपमेंट,एडवांस तकनीक, मैच प्रैक्टिस और फिटनेस पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, ताकि खिलाड़ियों की खेल प्रतिभा को बेहतर ढंग से निखारा जा सके।

जिले में खेल प्रतिभाओं की कमी नहीं

अमेच्योर वॉलीबॉल संघ सूरजपुर के जिला अध्यक्ष अजय गोयल ने बताया कि सूरजपुर जिले में वॉलीबॉल के क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं,यहां के बच्चों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है,स्कूल और कॉलेज स्तर से कई खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर तक अपनी पहचान बना चुके हैं,उन्होंने कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण शिविर से खिलाड़ियों को मजबूत आधार मिलेगा और वे उच्च स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए तैयार हो सकेंगे।

ग्रामीण प्रतिभाओं को मंच देने की पहल

संघ के जिला सचिव रामश्रृंगार यादव ने बताया कि इस शिविर का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों की प्रतिभाओं को तकनीकी रूप से मजबूत बनाना है,उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण के माध्यम से खिलाड़ियों को राज्य और राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए तैयार किया जाएगा, जिससे भविष्य में सूरजपुर की एक मजबूत टीम तैयार हो सके।

अभिभावकों से बच्चों को खेल से जोड़ने की अपील-जिला कोषाध्यक्ष राजनाथ गुप्ता ने जिले के सभी स्कूलों, कॉलेजों और आसपास के क्षेत्रों के खिलाड़ियों से अधिक से अधिक संख्या में शिविर में भाग लेने की अपील की है, उन्होंने अभिभावकों से भी आग्रह किया कि वे अपने बच्चों को खेल गतिविधियों से जोड़ें, क्योंकि खेल न केवल करियर का माध्यम है बल्कि अनुशासन और व्यक्तित्व विकास का भी सशक्त साधन है।

खेल के माध्यम से भविष्य निर्माण की दिशा-यह प्रशिक्षण शिविर न केवल खिलाड़ियों के कौशल को निखारने का मंच है, बल्कि उनके भविष्य को दिशा देने की एक महत्वपूर्ण पहल भी है,ऐसे आयोजनों से ग्रामीण क्षेत्रों के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को आगे बढ़ने का अवसर मिलता है और जिले में खेल संस्कृति को भी मजबूती मिलती है।

आयोजन में मिल रहा स्थानीय सहयोग

इस प्रशिक्षण शिविर के आयोजन में ग्राम लटोरी स्थित ज्ञान सागर मिशन स्कूल के संचालक चमन साय तिर्की का विशेष सहयोग मिल रहा है, शिविर को सफल बनाने में प्रशिक्षक और कोच भी अहम भूमिका निभा रहे हैं।

प्रशिक्षकों और पदाधिकारियों की सक्रिय भागीदारी

प्रशिक्षण शिविर में सह सचिव एवं कोच दिनेश कुमार साहू, कोच हेमंत राजवाड़े, कोच राजकुमार राजवाड़े,कोच प्रिंस दुबे,आशा प्रसाद रजक,सोनू सिंह,भुवन सिंह, रविंद्र सिंह और लालमनी राजवाड़े सहित अन्य प्रशिक्षक खिलाड़ियों को प्रशिक्षण दे रहे हैं,इसके अलावा संघ के पदाधिकारी संतोष सिंह,पंकज गर्ग,अनिल बाजपेयी,बुधराम राजवाड़े, विनेश्वर जायसवाल एवं अन्य सदस्य भी आयोजन को सफल बनाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

C M Y K

राम गोपाल वर्मा ने अंडरवर्ल्ड का खोला बड़ा राज

इंडस्ट्री में 36 साल बिता चुके सत्या के डायरेक्टर राम गोपाल वर्मा ने हाल ही में 90 के दशक में अंडरवर्ल्ड को लेकर कई चौंकाने वाले खुलासे किए हैं...उन्होंने यह भी बताया कि क्यों बिग स्टार्स ही उनके निशाने पर होते थे...

1980 से 90 के दशक में बॉलीवुड पर अंडरवर्ल्ड का गहरा खौफ और कंट्रोल था। फिल्मों की फंडिंग से लेकर एक्ट्रेसेस की कास्टिंग तक, हर जगह उनका दखल था। अंडरवर्ल्ड से जुड़े लोग खुलेआम बड़े-बड़े सितारों और निर्माताओं से फिरौती की मांग करते थे। मांग पूरी न होने पर कई एक्टर्स को न सिर्फ जान से मारने की धमकियां मिलीं, बल्कि उन पर गोलियां भी चलाई गईं।

अब हाल ही में, फिल्म इंडस्ट्री में 36 साल से ज्यादा का वक्त गुजार चुके मशहूर निर्देशक राम गोपाल वर्मा ने इस खौफनाक दौर के कई राज खोले हैं। उन्होंने बताया कि आखिर क्यों अंडरवर्ल्ड ने राकेश रोशन और गुलशन कुमार जैसी दिग्गज हस्तियों को ही अपना निशाना बनाया था।

अंडरवर्ल्ड पावर दिखाने के लिए करता था वार

राम गोपाल वर्मा ने हाल ही में राइटर हुसैन जैदी के साथ एक खास बातचीत में खुलासा किया कि उस दौर में अंडरवर्ल्ड का कोई भी एक्शन बिना सोचे-समझे या मनमानी नहीं होता था, बल्कि यह उनकी सोची-समझी हरकत होती थी। डायरेक्टर ने कहा,

जब अंडरवर्ल्ड को अपनी पावर दिखानी होती थी, तो वे राकेश रोशन,सलमान खान और शाहरुख खान जैसे बड़े सितारों को ही निशाना बनाते थे। इंडस्ट्री में कुछ लोग ऐसे भी थे,जो खुद को आम इंसान से बहुत बड़ी हस्ती समझते थे, इसलिए उन्हें डराना जरूरी समझा जाता था।

पैसे निकलवाने के लिए अंडरवर्ल्ड करता था ऐसी हरकत

राम गोपाल वर्मा ने इस बात पर जोर दिया कि अंडरवर्ल्ड का मकसद सिर्फ पैसे कमाना नहीं, बल्कि पूरी फिल्म इंडस्ट्री पर अपना खौफ और नियंत्रण कायम करना था। बड़े स्टार्स को डराकर वे अपना अधिकार जमाना चाहते थे। निर्देशक ने बताया,अगर मान लीजिए कोई पैसा देने से इनकार कर रहा है, तो वे एक खौफनाक उदाहरण सेट करने के लिए किसी बड़े नाम पर हमला करते थे। उनका मकसद यह मैसेज देना था कि देखो उसके साथ क्या हुआ... यह तुम्हारे साथ भी हो सकता है। किसी एक को मारकर अंडरवर्ल्ड 10 लोगों से आसानी से पैसे ऐंठ लेता था।

राकेश रोशन पर गोली और गुलशन कुमार की हत्या का सच

साल 2000 में ब्लॉकबस्टर फिल्म कहो ना प्यार है की सफलता के बाद राकेश रोशन पर जानलेवा हमला हुआ था। इस पर दावा करते हुए राम गोपाल वर्मा ने कहा कि गैंगस्टर रातों-रात सुपरस्टार बने ऋतिक रोशन की डेट्स और फिल्म प्रोजेक्ट्स पर कंट्रोल करना चाहते थे, जिसे कथित तौर पर छोटा शकील का समर्थन हासिल था। जब राकेश रोशन ने इसका डटकर विरोध किया,तो उन पर गोलियां चलाई गईं।

वहीं,1997 में टी-सीरीज के संस्थापक गुलशन कुमार की दिनदहाड़े हुई हत्या पर आरजीवी ने कहा कि इसमें सफलता की जलन, सत्ता की पावर और विरोध सब कुछ शामिल था। सरकार फेम डायरेक्टर ने कहा,

गुलशन कुमार अपनी अपार सफलता और प्रभाव के कारण उनके निशाने पर आए। इस हत्या ने अबू सलेम जैसे गैंगस्टर

को अंडरवर्ल्ड की दुनिया में अपनी धाक जमाने का तरीका दे दिया। उन्होंने आगे बताया कि गुलशन कुमार ने कथित तौर पर एक्सटॉर्शन मनी देने से साफ इनकार कर दिया था, क्योंकि वह जल्दी डरने वालों में से नहीं थे। जब गुलशन कुमार की हत्या की खबर आई, उस वक्त राम गोपाल वर्मा निर्माता झामु सुगंध के घर पर थे, और इस खबर ने पूरी इंडस्ट्री को बुरी तरह से डरा दिया था।

गैंगस्टर पर बनी फिल्मों की फंडिंग भी करता था अंडरवर्ल्ड ?

राम गोपाल वर्मा ने बताया कि 90 के दशक में फिल्म इंडस्ट्री फाइनेंस से लेकर कास्टिंग तक, कई लेवल पर अंडरवर्ल्ड से जुड़ी हुई थी। मुंबई के पूर्व जॉइंट कमिश्नर ऑफ पुलिस, डी. शिवानंदन ने भी यह बात कही थी कि उस दौर में गैंगस्टर पर बनने वाली ज्यादातर फिल्मों की फंडिंग कथित तौर पर खुद अंडरवर्ल्ड ही करता था। उस समय इंडस्ट्री में एक अनकहा डर था और कई बड़ी हस्तियों की अंडरवर्ल्ड डॉन्स के साथ तस्वीरें भी सामने आती थीं। आपको बता दें कि राम गोपाल वर्मा बॉलीवुड के वो मशहूर डायरेक्टर हैं, जिन्होंने सत्या, कंपनी और डी जैसी शानदार फिल्में बनाकर बड़े पर्दे पर अंडरवर्ल्ड और गैंगस्टर्स की खौफनाक दुनिया को सबसे करीब से दिखाया है।

एसआरके की किंग के बाद बड़ा दांव खेलेंगे सिद्धार्थ आनंद?

ऋतिक रोशन के साथ 500 करोड़ी फिल्म लेकर आ रहे निर्देशक

ऋतिक रोशन की फिल्म फाइटर के सीक्वल की बात चल रही है। सिद्धार्थ आनंद द्वारा निर्देशित फाइटर में ऋतिक और दीपिका पादुकोण मुख्य भूमिका में थे। साल 2024 में आई ऋतिक रोशन की फिल्म फाइटर को काफी तारीफ मिली थी। इसे सिद्धार्थ आनंद ने डायरेक्ट किया था। बीते दिनों खबर आ रही थी कि इस मूवी का दूसरा पार्ट आ सकता है। अब इस पर निर्देशक ने और अपडेट दिया है। हॉलीवुड हंगामा से बातचीत में एक सूत्र ने बताया कि सिद्धार्थ और ऋतिक के बीच इस बारे में कोई बातचीत नहीं हुई है और फाइटर 2 को लेकर आ रही सारी जानकारियां फेक हैं।

लीड रोल में नजर आए थे ऋतिक रोशन

सिद्धार्थ आनंद और रेमन चिब्ब द्वारा लिखित एक कहानी से प्रेरित इस फिल्म में ऋतिक रोशन और दीपिका पादुकोण मुख्य भूमिका निभाई थी। मूवी में उनके साथ करण सिंह ग्रोवर, अक्षय ओबेरॉय, ऋषभ साहनी और संजीदा शेख सहायक भूमिकाओं में थे।

जल्द ही प्रोड्यूसर के तौर पर डेब्यू करेंगे एक्टर

ऋतिक के हालिया काम की बात करें तो,उन्हें आखिरी बार जूनियर एनटीआर अभिनीत फिल्म वॉर 2 में देखा गया था। वे स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म पर निर्माता के तौर पर भी डेब्यू कर रहे हैं। प्राइम वीडियो पर उनकी थ्रिलर सीरीज स्टॉर्म आने वाली है। मुंबई में सेट इस सीरीज को अजीतपाल सिंह ने बनाया और निर्देशित किया है, जिसमें पार्वती थिरुवोथु,अलाया एफ, सृष्टि श्रीवास्तव,रामा शर्मा और सबा आजाद मुख्य भूमिका में हैं।

61 साल पहले बनी थी फर्स्ट हॉरर-कॉमेडी

61 साल पहले भूत बंगला पर एक फिल्म बनी थी,जो बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट साबित हुई थी...इस फिल्म के गाने भी खूब पसंद किए गए थे...

हॉरर-कॉमेडी जॉनर का जमाना है। भूल भुलैया,स्त्री, स्त्री 2,मुंज्या और थामा के बाद इन दिनों बड़े पर्दे पर अक्षय कुमार की हॉरर-कॉमेडी भूत बंगला छाई हुई है। बीते दिन ही फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज हुई और दर्शक इसे खूब पसंद कर रहे हैं।मगर क्या आपको पता है कि बॉलीवुड की पहली हॉरर फिल्म कब बनी थी? किसने फिल्म बनाई थी और कहानी कैसी थी? इस आर्टिकल में हम आपको बॉलीवुड की पहली हॉरर कॉमेडी के बारे में बताने जा रहे हैं।

करीब 61 पहले बॉलीवुड की पहली हॉरर कॉमेडी फिल्म बनी थी जिससे म्यूजिक इंडस्ट्री के दिग्गज म्यूजिक डायरेक्टर ने अपना एक्टिंग एक्टिंग डेब्यू किया था। दिलचस्प बात ये है कि फिल्म की कहानी भी भूत बंगला के इर्द-गिर्द घूमती थी और टाइटल भी यही था।

पंचम दा ने किया था एक्टिंग डेब्यू

हम बात कर रहे हैं 1965 में रिलीज हुई फिल्म भूत बंगला की जिसमें खुद निर्देशक महमूद ने ही मुख्य भूमिका निभाई थी। फिल्म में तनुजा और नाजिर हुसैन भी मैं अहम भूमिकाओं में थे। महमूद ने इस फिल्म से मशहूर म्यूजिक डायरेक्टर आर डी बर्मन उर्फ पंचम दा को एक्टिंग ब्रेक दिया था। पंचम दा ने फिल्म में एक्टिंग के साथ- साथ म्यूजिक का जिम्मा भी संभाला था।

भूत बंगला की कहानी खौफनाक

फिल्म की कहानी एक भूत बंगला की है जहां बंगले के मालिक की मौत हो जाती और उसका परिवार भी रहस्यमय तरीके से गायब हो जाता हैं। सालों बाद बंगले के मालिक के रिश्तेदार आते हैं और फिर खौफनाक घटनाएं घटने लगती है। भूत बंगला से पहले कई फिल्में बनीं लेकिन हॉरर के साथ कॉमेडी का चलन महमूद ने ही शुरू किया। फिल्म लोगों को पसंद आई और ये बॉक्स ऑफिस पर हिट रही।

फिल्म के गाने रहे थे सुपरहिट

फिल्म ही नहीं इसके गाने भी काफी पसंद किये गए थे। फिल्म का एक गाना आओ ट्विस्ट करें तो सुपरहिट रहा था। फिल्म में किशोर कुमार, लता मंगेशकर और मन्ना डे जैसे दिग्गजों ने गया था।

राजू-श्याम और बाबूराव की जोड़ी को लगा ग्रहण?

हेरा फेरी-3 को लेकर अक्षय ने फैंस को दिया 440 वोल्ट का झटका

सबसे बड़ी कॉमेडी फ्रेंचाइजी फिल्मों में से एक हेरा फेरी-3 को लेकर अक्षय कुमार ने एक ऐसा अपडेट दिया है,जिसे सुनकर फैंस का दिल टूटने वाला है। भूत बंगला से भी ज्यादा अगर अक्षय कुमार की किसी फिल्म का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है, तो वह है हेरा फेरी 3 । राजू, श्याम और बाबूराव की आइकॉनिक जोड़ी पर्दे पर तीसरी बार क्या कमाल दिखाएगी, यह देखने के लिए हर कोई उत्सुक था।

खबर थी कि यह फिल्म अप्रैल के अंत तक फ्लोर पर आ जाएगी,लेकिन अब अक्षय कुमार ने एक ऐसी अपडेट शेयर की है, जिससे फैंस का दिल पूरी तरह टूट सकता है।

मुझे खुद झटका लगा था- अक्षय कुमार

हाल ही में शुभांकर मिश्रा के पॉडकास्ट में पहुंचे अक्षय कुमार ने हेरा फेरी 3 पर फुल और फाइनल अपडेट दे दी है। साथ ही फिल्म को लेकर चल रहे विवादों पर भी खुलकर बात की है। अक्षय ने कहा,÷हेरा फेरी फिलहाल तो नहीं बन रही है। जब होस्ट ने कहा कि उन्हें यह सुनकर काफी झटका लगा है, तो खिलाड़ी कुमार बोले, मुझे खुद झटका लगा था। कोई बात नहीं.. वेलकम बना ली है। थोड़ा कुछ और मंत्र पढ़ना पड़ेगा कि सब ठीक हो जाए। अभी एक साल तो यह नहीं बन रही है, इसके बहुत सारे इश्यू हैं।

ऐसा नहीं है कि हम तीनों साथ नहीं हैं...

बीते दिनों यह खबर आ रही थी कि क्रिएटिव डिफरेंस के चलते दिग्गज अभिनेता परेश रावल ने यह फिल्म छोड़ दी है। इसके जवाब में अक्षय कुमार ने स्थिति साफ करते हुए कहा, ÷ऐसा नहीं है कि हम तीनों (अक्षय, सुनील शेट्टी, परेश रावल) साथ नहीं हैं। वेलकम टू द जंगल में हम तीनों एक साथ ही काम कर रहे हैं। दरअसल, कुछ-कुछ चीजें होती हैं, जो मैं कैमरे पर नहीं बोल सकता। बहुत सारी चीजें हैं,जैसे-एग्रीमेंट वगैरह...जो प्रोजेक्ट को पीछे ले जाते हैं।खिलाड़ी कुमार ने बातचीत के दौरान फैंस की उम्मीद पूरी तरह से टूटने नहीं दी। उन्होंने अपने मजाकिया अंदाज में आगे कहा, अपने आप आएगा, जब सही वक्त आएगा, तब तक फिल्म आ जाएगी। बस यही है कि तब तक हमारा बुढ़ापा ना आ जाए।

शुरुआत से ही विवादों में है हेरा फेरी 3

आपको बता दें कि मेकर्स ने जब से हेरा फेरी 3 की घोषणा की थी,तब से ही यह फिल्म विवादों में घिरी हुई है। पहले खबर आई थी कि परेश रावल ने खुद को इस सफल फ्रेंचाइजी से बाहर कर लिया है, जिसकी वजह से अक्षय कुमार की प्रोडक्शन टीम की तरफ से उन्हें नोटिस भेजा गया था।

इसके बाद यह मोस्ट-अवेटेड फिल्म एक कानूनी पचड़े में भी फंस गई, जब साउथ के एक प्रोड्यूसर ने फिल्म के राइट्स को लेकर निर्माता फिरोज नाडियाडवाला को लीगल नोटिस भेज दिया था।

खेल समाचार

दिल्ली कैपिटल्स ने आरसीबी को 6 विकेट से हराया

बेंगलुरु,18 अप्रैल 2026। दिल्ली कैपिटल्स ने रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर को एक ऐसे मैच में हराया जिसने फैंस को अपनी सीटों से बांधे रखा। डेविड मिलर ने गुजरात टाइटन्स के खिलाफ पिछली गलती के बाद प्रेशर में भी खुद को शांत रखते हुए अहम भूमिका निभाई। मिलर की शांत पारी ने ष्ठष्ट को आखिरी ओवरों में रोमांचक जीत दिलाई,जिसके लिए हेड कोच हेमंग बदानी ने उन्हें गले लगाया। अपने कप्तान की लीडरशिप में आरसीबी ने मैच के बाद खेल के बारे में बताया। उन्होंने कहा, यह बहुत करीबी मुकाबला था, लेकिन मुझे लगता है कि हम 15-20 रन पीछे रह गए। जिस तरह से हमने शुरुआत की,खासकर विराट भाई और साल्ट ने, उससे अच्छी शुरुआत मिली, लेकिन जल्दी-जल्दी कुछ विकेट गंवाने से हम बैकफुट पर आ गए। पहली पारी थोड़ी खराब लगी, लेकिन आखिरी ओवर में जिस तरह से हमने वापसी की, उससे उम्मीद जगी है। यह एक लंबा टूर्नामेंट है,और हम वापस जाकर गलतियों का अंदाज़ा लगाएंगे और उन्हें सुधारेंगे। आरसीबी के बॉलर्स ने ज़बरदस्त शुरुआत की, भुवनेश्वर कुमार ने पावरप्ले में तीन विकेट लिए, जिससे डीसी का स्कोर 18/3 हो गया। हालांकि, केएल राहुल और ट्रिस्टन स्टब्स ने पारी को संभाला, राहुल ने शानदार बैटिंग की, लेकिन विराट कोहली के एक अच्छे कैच पर आउट हो गए। अक्षर पटेल ने एक कीमती कैमियो किया लेकिन ऐंठन के कारण रिटायर्ड हर्ट हो गए। एक अहम मोड़ पर मिलर के आने स डीसी को फिर से लय हासिल करने में मदद मिली। आखिरी ओवरों में,आरसीबीने कसी हुई बॉलिंग की, तीन ओवर में सिर्फ 14 रन दिए,लेकिन मिलर ने रोमारियो शेफर्ड की ढीली गेंदों का फायदा उठाया, बाउंड्री लगाईं और लक्ष्य का पीछा तेज कर दिया। 18 गेंदों पर 37 रन चाहिए थे, डीसी ने हिम्मत नहीं हारी, और मिलर के शांत रवैये ने शानदार फिनिश के साथ जीत पक्की की। इस मैच में आरसीबी का शुरुआती दबदबा तो दिखा ही, साथ ही डीसी की हिम्मत,स्ट्रेटेजिक बैटिंग और फिनिशिंग की काबिलियत भी दिखी। फैंस मैच के बाद रिएक्शन और चिन्नास्वामी में रोमांचक मुकाबले को बनाने वाले खास पलों की जानकारी का इंतजार कर सकते हैं।

भारतीय महिला हॉकी टीम की जबरदस्त वापसी

अर्जेंटीना के खिलाफ सीरीज 2-2 पर खत्म

ब्यूनस आयर्स ,18 अप्रैल 2026। भारतीय महिला हॉकी टीम ने अर्जेंटीना के खिलाफ चार मुकाबलों के दौरे को 2-2 की बराबरी पर खत्म किया। सीरीज की मुश्किल शुरुआत के बाद, भारतीय टीम ने शानदार वापसी करते हुए अपने आखिरी 2 मैच जीतकर दौरे का शानदार अंत किया। इस दौरे की शुरुआत 13 अप्रैल को एक कड़े मुकाबले वाले मैच से हुई, जिसमें नवनीत कौर (22') और अन्नू (29') ने भारत के लिए गोल किए। हालांकि, अर्जेंटीना ने यह मैच 4-2 से जीता, जिसमें मारिया एमिलिया लार्सन

(11'), विक्टोरिया ग्रैनाटो (18'), और जूलिएटा जानकुनास (42', 55') ने गोल किए, लेकिन भारत ने पूरे मैच के दौरान जोरदार आक्रामक खेल दिखाया।

14 अप्रैल को खेले गए दूसरे मुकाबले में, इशिका (22') ने भारत को शुरुआती बढ़त दिलाई, लेकिन मेजबान टीम ने 2-1 से करीबी जीत दर्ज की। अर्जेंटीना की तरफ से दोनों गोल अगस्टिना गोरजेलानी (34', 48') ने दागे। 16 अप्रैल को तीसरे मैच में भारत ने अपनी लय हासिल कर ली और 2-1 से जीत दर्ज करके सीरीज में अपनी उम्मीदें जिंदा रखीं। नवनीत कौर (26') और नेहा (37') दोनों ने पेनाल्टी कॉर्नर से गोल करके भारत को 2-0 की आरामदायक बढ़त दिलाई।

अर्जेंटीना की अगस्टिना गोरजेलानी (52') के आखिरी समय में किए गए गोल के बावजूद, भारतीय टीम ने अपना संयम बनाए रखा और जीत हासिल करके आखिरी दिन के मुकाबले को रोमांचक बना दिया। 17 अप्रैल को, सीरीज का आखिरी मुकाबला कड़ा था जो 0-0 की बराबरी पर खत्म हुआ। दोनों टीमों को गोल करने के मौके मिले, लेकिन भारतीय डिफेंडरों ने पूरे मैच के दौरान मजबूती से डटे रहकर कोई गोल नहीं होने दिया। शूटआउट में, भारत ने अपना संयम बनाए रखा और 3-2 से जीत दर्ज करके यह सुनिश्चित किया कि सीरीज बराबरी पर खत्म हो। अब टीम अपने घर लौटेगी, जहां वे अपना ट्रेनिंग कैंप जारी रखेंगी और इन सकारात्मक नतीजों को आगे बढ़ाएंगी। यह दौरा उनकी तैयारियों का एक अहम हिस्सा रहा है, जिसने टीम को विरोधी टीम के घर पर एक शीर्ष स्तर की टीम के खिलाफ खेलने का महत्वपूर्ण अनुभव दिया है।

अंजू बॉबी जॉर्ज : विश्व चैंपियनशिप में पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला एथलीट

नई दिल्ली,18 अप्रैल 2026। अंजू बॉबी जॉर्ज भारत की एक सम्मानित एथलीट रही हैं। ऊंची कूद में वह देश का प्रतिनिधित्व करने वाली शीर्ष महिला एथलीट रही हैं, और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पदक जीतकर उन्होंने देश का नाम रोशन किया है। अंजू का जन्म 19 अप्रैल, 1977 दक्षिण मध्य केरल के कोट्टायम जिले के छोटे से कस्बा चीरनचीरा में हुआ। उन्होंने पांच वर्ष की उम्र में एथलेटिक्स स्पर्धाओं में भाग लेना शुरू कर दिया था। एथलेटिक्स में आगे आने के लिए अंजू को अपनी मां और पिता से काफी सहयोग मिला। अंजू स्कूल के समय से ही ऊंची कूद की प्रतिभाशाली एथलीट के रूप में

उभरीं। अंजू बॉबी जॉर्ज का करियर लंबा और सफलताओं से भरपूर रहा है। पी.टी उषा को अपना आदर्श मानने वाली जॉर्ज ने अपनी कड़ी मेहनत और संकल्प की बदौलत एथलेटिक्स के क्षेत्र में बड़ा नाम बनाया और लाखों महिला एथलीटों के प्रेरणा के रुप में उभरीं। अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पदक जीत उन्होंने देश का नाम रोशन किया। उनकी कुछ प्रमुख उपलब्धियों पर नजर डालें तो वह विश्व चैंपियनशिप में पदक जीतने वाली प्रथम भारतीय महिला एथलीट हैं। उन्होंने वर्ष 2003 में पेरिस में विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता था। इसके अलावा, 1999 में अंजू ने दक्षिण एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप में रजत पदक जीता। 2001 में अंजू ने लम्बी कूद रिकार्ड कायम किया। उन्होंने 6.74 मीटर लम्बी छलांग लगाई। उनकी दुनिया में 13वीं रैंकिंग रही है। विश्व चैंपियनशिप के लिए सातवीं रैंकिंग भी मिल चुकी है।

पीसीबी ने पाकिस्तान क्रिकेट को बढ़ावा देने के लिए नए कोचों की घोषणा की...

करांची,18 अप्रैल 2026। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने हाल के दिनों में इंटरनेशनल क्रिकेट में बुरी तरह फेल हो रही पाकिस्तान टीम पर लगाम लगाने के लिए बड़े बदलाव किए हैं। बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज के साथ टीम को उसकी पुरानी शान वापस दिलाने के मकसद से उसने नया कोचिंग स्टाफ अपॉइंट किया है। जूनियर लेवल पर कोच के तौर पर सफल रहे पूर्व कप्तान सरफराज अहमद को हेड कोच अपॉइंट किया गया है। पूर्व पेसर उमर गुल को बॉलिंग कोच और असद शफीक को बैटिंग यूनिट कोच अपॉइंट किया गया है। पाकिस्तान टीम मई में दो टेस्ट मैचों के लिए बांग्लादेश जाएगी। इस टूर से टीम को मजबूत करने के मकसद से पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने कोचिंग यूनिट में पूर्व खिलाड़ियों को शामिल किया है। हालांकि, इस बार विदेशियों को मौका नहीं दिया गया है। पाकिस्तान बोर्ड ने अपनी टीम के पूर्व क्रिकेटरों के लिए तीन पद रिजर्व रखे हैं। पीसीबी ने चैंपियंस ट्रॉफी 2017 जीतने वाले अनुभवी सरफराज अहमद को हेड कोच अपॉइंट किया है।

महिला आरक्षण बिल गिरने के बाद भाजपा में उबाल.....

छत्तीसगढ़ में महिला मोर्चा ने कांग्रेस पार्टी का किया विरोध

रायपुर,18 अप्रैल 2026। महिला आरक्षण बिल संसद में गिरने के बाद भारतीय जनता पार्टी और एनडीए के घटक दलों ने कांग्रेस पर निशाना साधा है। भाजपा ने इसे 'महिलाओं के हक पर कुठाराघात' बताया। भाजपा ने आरोप लगाया है कि कांग्रेस ने सदन में बिल का समर्थन नहीं कर महिला विरोधी रवैया दिखाया और कहा कि बिल गिरने से 33% आरक्षण का रास्ता रुक गया है। लोकसभा में बिल के गिरते ही भाजपा महिला मोर्चा और एनडीए के कार्यकर्ता रात से ही देशभर में सड़कों पर उतर आए। छत्तीसगढ़ के दुर्ग शहर में भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सरोज पांडे के नेतृत्व में महिलाओं ने आक्रोश रैली निकालकर नारी शक्ति वन्दन अधिनियम के पारित होने में अवरोध पैदा करने पर कांग्रेस का विरोध किया। सरोज पांडेय ने सदन में प्रस्तुत नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023 को लेकर कांग्रेस सहित समूचे

विपक्ष द्वारा किए गए विरोध पर कहा है कि इससे कांग्रेस का महिला विरोधी चेहरा एक बार फिर से बेनकाब हो गया है। कांग्रेस पार्टी सहित समूचा विपक्ष नहीं चाहता कि देश की आधी आबादी मातृशक्ति देश के विकास में पुरुषों के साथ कदम मिलाकर चले। कांग्रेस पार्टी आज भी मातृशक्ति को केवल वोट बैंक समझती है जो उन्हें सिर्फ चुनावी वर्ष में ही याद आती है।

कांग्रेस और इंडी गठबंधन का महिलाओं के अधिकारों के प्रति नकारात्मक रुख उजागर : साय

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' से जुड़े 131वें संविधान संशोधन विधेयक के विरोध को लेकर कांग्रेस और इंडी गठबंधन पर तीखा प्रहार करते हुए कहा है कि यह विरोध केवल एक कानून का विरोध नहीं है, बल्कि देश की मातृशक्ति के अधिकार, सम्मान और नेतृत्व क्षमता को नकारने का प्रयास है। उन्होंने कहा कि यह रुख उन करोड़ों महिलाओं की आकांक्षाओं और विश्वास पर सीधा आघात है।

कांग्रेस पार्टी महिलाओं को अभी भी केवल वोट बैंक समझती है : लता उसेंडी

भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुश्री लता उसेंडी ने सदन में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह द्वारा प्रस्तुत नारी शक्ति वंदन अधिनियम का विरोध करने के लिए कांग्रेस पार्टी सहित समूचे विपक्ष पर प्रहार करते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी अभी भी महिलाओं को केवल वोट बैंक ही समझती है। आज जब महिलाएं देश के सर्वोच्च पद पर पहुंचकर देश का नेतृत्व कर रही है वहीं दूसरी ओर कांग्रेस पार्टी है जो आज भी महिलाओं को घर की चारदीवारी में सीमित रखकर उनका केवल शोषण करती है।

'विपक्ष महिलाओं को उनका अधिकार देने के खिलाफ' : विभा अवस्थी

भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष विभा अवस्थी ने संसद में नारी शक्ति वन्दन अधिनियम की मुखालफत करने के लिए कांग्रेस समेत इण्डी गठबंधन के दलों पर तीखा हमला बोला है। विभा अवस्थी ने कहा कि देश की आधी आबादी को उसका अधिकार देने के लिए केंद्र सरकार द्वारा यह महत्वपूर्ण विधेयक लाया गया था,परन्तु संसद में बहुमत की कमी के चलते यह विधेयक पारित नहीं हो पाया । भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती अवस्थी ने कहा कि यह बिल देश की आधी आबादी को उसका अधिकार

छत्तीसगढ़ में धर्मांतरण पर सख्त कानून लागू जबरन बदलाव पर कड़ी सजा का प्रावधान

रायपुर,18 अप्रैल 2026। छत्तीसगढ़ में जबरन और प्रलोभन देकर कराए जाने वाले धर्मांतरण पर रोक लगाने के लिए लाया गया छत्तीसगढ़ धर्म स्वातंत्र्य विधेयक,2026 अब कानून बन गया है। राज्यपाल के हस्ताक्षर के बाद इसे राजपत्र में प्रकाशित कर दिया गया है,जिसके साथ ही यह पूरे प्रदेश में प्रभावी हो गया है। यह विधेयक 19 मार्च को विधानसभा में पारित किया गया था,जिसे उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने प्रस्तुत किया था। सरकार का कहना है कि वर्ष 1968 से लागू पुराने कानून वर्तमान परिस्थितियों के अनुरूप पर्याप्त नहीं थे, खासकर बस्तर और सरगुजा जैसे क्षेत्रों में बढ़ते विवादों को देखते हुए नए प्रावधानों की जरूरत महसूस की गई। नए कानून के तहत धर्म परिवर्तन की प्रक्रिया को पारदर्शी बनाया गया है। अब किसी भी व्यक्ति को धर्म बदलने से पहले अधिकृत अधिकारी के समक्ष आवेदन देना होगा। इसके बाद निर्धारित समय तक सूचना सार्वजनिक की जाएगी और आपत्तियां आमंत्रित की जाएंगी। जांच के बाद ही प्रमाणपत्र जारी किया जाएगा। साथ ही यह स्पष्ट किया गया है कि हर नागरिक को अपनी इच्छा से धर्म चुनने की स्वतंत्रता है,लेकिन यह सुनिश्चित किया जाएगा कि धर्म परिवर्तन किसी दबाव, लालच या भय के कारण न हो। कानून में धर्मांतरण कराने वाले व्यक्तियों और संस्थाओं के लिए पंजीयन अनिवार्य किया गया है। ग्राम सभा को भी इस प्रक्रिया में शामिल किया गया है,ताकि स्थानीय स्तर पर पारदर्शिता बनी रहे। विवाह को धर्म परिवर्तन का आधार नहीं माना गया है और इसके लिए भी निर्धारित प्रक्रिया का पालन जरूरी होगा।

अवैध धर्मांतरण पर सख्त सजा का प्रावधान किया गया है। सामान्य मामलों में 7 से 10 साल की जेल और जुर्माना,जबकि महिला,नाबालिग,अनुसूचित जाति-जनजाति जैसे विशेष वर्गों के मामलों में 10 से 20 साल की सजा तय की गई है। सामूहिक धर्मांतरण के मामलों में सजा आजीवन कारावास तक हो सकती है। इसके अलावा, यदि कोई लोक सेवक इस तरह के अपराध में शामिल पाया जाता है, या धन,प्रलोभन और डर के जरिए धर्मांतरण कराया जाता है, तो भी कड़ी सजा और भारी जुर्माने का प्रावधान रखा गया है। कानून में पीड़ितों के लिए क्षतिपूर्ति का भी प्रावधान है। यदि किसी का धर्म परिवर्तन दबाव या धोखे से कराया गया हो, तो अदालत आरोपी को मुआवजा देने का आदेश दे सकती है। सरकार का मानना है कि इस नए कानून से राज्य में धार्मिक स्वतंत्रता की रक्षा होगी और सामाजिक समरसता बनाए रखने में मदद मिलेगी।

बिलासपुर और महासमुंद में 6 करोड़ का गांजा पकड़ाया

केले के बीच मिली बोरियां,फर्जी नंबर प्लेट लगाया,कार की डिक्की में छिपाई बड़ी खेप

बिलासपुर,18 अप्रैल 2026। छत्तीसगढ़ के 2 अलग-अलग जिले में करीब 6 करोड़ का गांजा पकड़ाया है। महासमुंद जिले में फर्जी नंबर का इस्तेमाल कर गांजे की सप्लाई हो रही थी। पुलिस ने नाकेबंदी कर 4.5 करोड़ का गांजा पकड़ा। तस्कर केला के नीचे छुपाकर छत्तीसगढ़ के रास्ते कले जा रहे थे। मामला बसना थाना क्षेत्र का है। वहीं, दूसरा मामला बिलासपुर का है, जहां एक कार से 1.22 करोड़ रुपए का 245 किलो गांजा मिला। मामला रतनपुर थाना क्षेत्र का है। दोनों ही मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए गांजा जब्त कर लिया है और गाड़ी के ड्राइवर को गिरफ्तार कर लिया गया है।

महासमुंद में मिला 4.5 करोड़ का गांजा

18 अप्रैल को महासमुंद जिले में 4 करोड़ 56 लाख 38 हजार रुपए का गांजा पकड़ाया है। आंध्रप्रदेश पासिंग गाड़ी में केले के बीच गांजा छिपाकर ले जाया जा रहा था। 29 अलग-अलग बोरियों में करीब 912 .760 किलोग्राम (लगभग 9 क्विंटल) गांजा लोड था,जिसे पुलिस ने जब्त कर लिया है। पुलिस को मुखबिर से जानकारी मिली थी कि एक आईशर प्रो 2059 (क्रमांक AP 39 TT 4556) छोटा हाथी ओडिशा से पलसापाली बैरियर की ओर आ रहा है। पुलिस ने तुरंत नाकाबंदी कर वाहन को रोका और तलाशी ली। पुलिस को गुमराह करने के लिए गाड़ी में फर्जी नंबर प्लेट भी लगी थी। गांजा ओडिशा से लाकर उत्तर प्रदेश में सप्लाई किया जाना था। पुलिस ने ड्राइवर अब्दुल नईम (42) को गिरफ्तार किया गया। वह झारखंड का रहने वाला है।

जिले में 3 महीने में 5 हजार किलो गांजा पकड़ाया

महासमुंद की एएसपी प्रतिभा पाण्डेय ने बताया कि पिछले तीन महीनों में पुलिस ने गांजा तस्करी के 72 मामले दर्ज किए हैं। इन मामलों में कुल 5629 .602 किलोग्राम गांजा जब्त किया गया है और 187 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है,जिनमें 52 छत्तीसगढ़ से और 135 अन्य राज्यों से हैं।

बिलासपुर में पकड़ाया 1.22 करोड़ का गांजा

बिलासपुर में एसीसीयू की टीम ने एक कार से 1.22 करोड़ रुपए का 245 किलो गांजा बरामद किया है। नेशनल हाईवे पर पुलिस को देखकर तस्कर गांजा लेकर भाग रहे थे, जिसका पीछा कर टीम ने उन्हें दबोच लिया। पुलिस ने एक तस्कर को गिरफ्तार किया है, जबकि दूसरा भाग निकला। घटना रतनपुर थाना क्षेत्र की है। दरअसल,शुक्रवार को एसीसीयू प्रभारी निमितेश सिंह को जानकारी मिली थी कि, गांजा तस्कर कटघोरा से बिलासपुर होते हुए मरवाही मार्ग से मध्यप्रदेश जा रहे हैं। उनके पास बड़ी मात्रा में गांजा रखा हुआ है। पुलिस को मुखबिर ने बकायदा मारुति अर्टिगा (सीजी 04 क्यूडी 7255) में गांजा तस्करी होने की जानकारी दी।

पुलिस को देखकर भाग रहे थे तस्कर

इस पर एसीसीयू और रतनपुर पुलिस ने भेड़ी मुड़ा नवापारा चौक पर घेराबंदी की। कार की जांच में काले शीशों के पीछे बड़ी मात्रा में गांजे के पैकेट मिले। कुल 245 किलो गांजा बरामद किया गया। पुलिस ने कार समेत करीब 1.30 करोड़ रुपए का सामान जब्त किया है। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। एसएसपी ने इस कार्रवाई में शामिल टीम को पुरस्कृत करने की घोषणा की है।

ओडिशा कनेक्शन और एमपी सप्लाई की जांच

गिरफ्तार आरोपी अमित कुमार केवट मध्य प्रदेश के शहडोल के बुढार का निवासी है। पूछताछ में उसने शुरू में पुलिस को गुमराह किया, लेकिन बाद में बताया कि गांजा कटघोरा मार्ग से मध्य प्रदेश ले जाकर खपाया जाना था। पुलिस अब ओडिशा और मध्य प्रदेश कनेक्शन के साथ मुख्य सरगना की तलाश कर रही है।

बिलासपुर में युवक का आत्मदाह का प्रयास : सड़क पर खुद को लगाई आग, 80प्रतिशत झुलसा

बिलासपुर,18 अप्रैल 2026। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले में एक बेहद दर्दनाक घटना सामने आई है, जहां एक युवक ने सार्वजनिक स्थान पर खुद पर पेट्रोल छिड़ककर आग लगा ली। यह घटना बिल्हा थाना क्षेत्र की बताई जा रही है, जिसने इलाके में सनसनी फैला दी है। मौके पर मौजूद लोगों ने तुरंत दौड़कर युवक के शरीर में लगी आग बुझाई,लेकिन तब तक वह गंभीर रूप से झुलस चुका था। बताया जा रहा है कि युवक करीब 80 प्रतिशत तक जल गया है। घटना से जुड़े सीसीटीवी फुटेज भी सामने आए हैं। पहले फुटेज में युवक पेट्रोल पंप से डिब्बे में पेट्रोल लेते हुए दिखाई देता है,जबकि दूसरे फुटेज में वह सड़क किनारे अपनी बाइक रोककर खुद पर पेट्रोल डालकर आग लगाते हुए नजर आता है। आग लगते ही वह दर्द से सड़क पर गिर पड़ा। घायल युवक की पहचान मनजीत जायसवाल के रूप में हुई है,जो पौसरी गांव का निवासी बताया जा रहा है। गंभीर हालत में उसे तुरंत सिम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया,जहां उसका इलाज जारी है। इस घटना में युवक की बाइक भी पूरी तरह जलकर खाक हो गई। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है और घटना के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

वेदांता हादसे पर सियासत तेज...अनिल अग्रवाल के समर्थन में आए सांसद नवीन जिंदल, एफआईआर पर उठाए सवाल

रायपुर,18 अप्रैल 2026। रायपुर में वेदांता पावर प्लांट हादसे को लेकर अब सियासी और औद्योगिक हलकों में बहस तेज हो गई है। इस बीच भाजपा सांसद और उद्योगपति नवीन जिंदल ने वेदांता ग्रुप के चेयरमैन अनिल अग्रवाल के समर्थन में बयान दिया है और उनके खिलाफ दर्ज एफआईआर पर सवाल उठाए हैं। हरियाणा के कुरुक्षेत्र से सांसद नवीन जिंदल ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए इस घटना को बेहद दुखद बताते हुए कहा कि हादसे में कई परिवारों ने अपनों को खोया है और पीड़ितों को उचित मुआवजा, आजीविका सहायता और निष्पक्ष जांच मिलना बेहद जरूरी है। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि बिना पूरी जांच के अनिल

अग्रवाल का नाम एफआईआर में शामिल करना उचित नहीं है। उनके मुताबिक, अनिल अग्रवाल का प्लांट के दैनिक संचालन में कोई प्रत्यक्ष रोल नहीं था, इसलिए पहले तथ्यों और सबूतों के आधार पर जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए। नवीन जिंदल ने उदाहरण देते हुए कहा कि सार्वजनिक उपक्रमों या रेलवे में हादसे होने पर सीधे शीर्ष पदों पर बैठे लोगों के खिलाफ कार्रवाई नहीं होती, तो यही मानक निजी क्षेत्र में भी लागू होना चाहिए। उन्होंने यह भी जोड़ा कि देश के विकास और निवेश को बढ़ावा देने के लिए उद्योगपतियों का सिस्टम पर भरोसा बनाए रखना जरूरी है। फिलहाल, वेदांता प्लांट हादसे की जांच जारी है और इस पूरे मामले पर राजनीतिक और औद्योगिक प्रतिक्रियाएं लगातार सामने आ रही हैं।

वेदांता पावर प्लांट हादसे में रायपुर के कालड़ा अस्पताल में 23वीं मौत

रायपुर और रायगढ़ जिले में वेदांता पावर प्लांट में हुए भीषण हादसे के बाद मरने वालों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। ताजा जानकारी के अनुसार, इस हादसे में 23वीं मौत दर्ज की गई है। रायपुर के कालड़ा हॉस्पिटल में इलाज के दौरान एक श्रमिक ने दम तोड़ दिया, जबकि रायगढ़ मेडिकल कॉलेज में भी एक और घायल मजदूर की मौत हो गई। मृतक सुब्रोतो जेना, जो पश्चिम बंगाल का निवासी था, 80 से 90 प्रतिशत तक झुलस गया था और गंभीर हालत में उपचाराधीन था। इससे पहले मध्यप्रदेश के रहने वाले मजदूर किस्मत अली की भी रायपुर के निजी अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो चुकी थी। हादसे में अब तक कुल 36 मजदूर झुलस चुके हैं, जिनमें से 14 घायलों का विभिन्न अस्पतालों में इलाज जारी है और उनकी स्थिति गंभीर बताई जा रही है।

ट्रांसफर : नगरीय प्रशासन विभाग में थोक में तबादला

रायपुर,18 अप्रैल 2026। नगरीय प्रशासन विभाग ने मुख्य नगर पालिका अधिकारियों का थोक में तबादला आदेश जारी किया है। नगरीय प्रशासन विभाग के उप सचिव के हस्ताक्षर से जारी ट्रांसफर आर्डर में 37 सीएमओ का नाम है। जारी आदेश में लिखा है, राज्य शासन द्वारा अमिताभ शर्मा, मुख्य नगर पालिका अधिकारी 'ग' वर्ग के विभागीय जॉच को जारी रखते हुए तथा इन्हें निलंबन से बहाल कर, प्रशासनिक दृष्टि से समान सेवा शर्तों एवं निबंधनों के अधीन अस्थायी रूप से आगामी आदेश पर्यन्त तक मुख्य नगर पालिका अधिकारी, नगर पालिका परिषद् तिल्दानेवरा में पदस्थ किया जाता है। इनके विरूद्ध जांच जारी रहेगी तथा निलंबन काल का निराकरण उनके विरूद्ध प्रचलित विभागीय जांच के

गुणदोष के आधार पर पृथक से किया जायेगा। जारी आदेश में लिखा है, उपरोक्त स्थानांतरित अधिकारी, कर्मचारी को 07 दिवस के भीतर नवीन पदस्थापना स्थान पर कार्यभार ग्रहण कर विभाग को सूचित करेंगे। समयावधि में कार्यभार ग्रहण नहीं करने पर वर्तमान स्थान से वेतन आहरित नहीं होगा। यदि वेतन आहरित किया जाता है तो नियंत्रण अधिकारी के विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी।

आईएएस समीर विश्नोई की करोड़ों की संपत्तियां अटैच

रायपुर,18 अप्रैल 2026। एसीबी ईओडब्ल्यू ने भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए निलंबित आईएएस समीर विश्नोई की करोड़ो रूपये कीमत की संपत्तियां अटैच की है। इससे पहले निलंबित रानू साहू, सौम्या चौरसिया की भी संपत्ति अटैच की जा चुकी हैं। मिली जानकारी के

मुताबिक जब्त संपत्तियां समीर विश्नोई और उनकी पत्नी प्रीति विश्नोई के नाम करीब 15 से 20 करोड़ रुपयों की बेनाम संपत्तियां अटैच की गई है। सरकारी अधिकारी होने के कारण एसीबी/ईओडब्ल्यू ने आय से अधिक संपत्ति का मामला दर्ज करने के बाद जांच में खुलासा हुआ है कि कि जब्त संपत्तियां समीर विश्नोई पत्नी प्रीति विश्नोई के नाम 3 से 4 फर्म बनाकर अवैध राशि से खरीदी गई थी। इनमें महासमुंद में 22 एकड़ जमीन, नया रायपुर स्थित बेशकीमती जमीन,गायत्री नगर स्थित मकान समेत कई बेनामी संपत्तियां सीज कर ली गई है। जांच में सामने आया कि ज्यादातर संपत्तियां रिश्तेदारों और पत्नी के नाम अवैध निवेश से खरीदी गई थी जिन्हें जब्त किया गया है। बता दे कि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के समय प्रदेश में बड़े पैमाने पर बहुचर्चित कोयला घोटाला हुआ था जिसमें सौम्या चौरसिया के निर्देश पर समीर विश्नोई के द्वारा ही ऑनलाइन सिस्टम को ऑफलाइन सिस्टम में करके इस घोटाले को अंजाम दिया गया था।

सीतापुर से भाजपा विधायक रामकुमार टोप्पो के निर्वाचन को चुनौती देने वाली याचिका खारिज

बिलासपुर,18 अप्रैल 2026। छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव 2023 से जुड़े एक महत्वपूर्ण मामले में हाईकोर्ट ने सीतापुर से भाजपा विधायक रामकुमार टोप्पो को बड़ी राहत प्रदान की है। अदालत ने आम आदमी पार्टी के प्रत्याशी मुन्ना लाल टोप्पो द्वारा दायर चुनाव याचिका को खारिज कर दिया। यह फैसला जस्टिस संजय के. अग्रवाल की एकल पीठ ने सुनाया। मामला निर्वाचन याचिका क्रमांक 01/2024 से संबंधित था,जिसमें याचिकाकर्ता ने अपने नामांकन पत्र को रिटर्निंग ऑफिसर द्वारा निरस्त किए जाने को चुनौती दी थी। याचिकाकर्ता का आरोप था कि उनका नामांकन गलत आधार पर खारिज किया गया। उनकी ओर से अधिवक्ता डॉ. जितेंद्र किशोर मेहता और आनंद कुमार कुजूर ने पक्ष रखा, जबकि राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से अधिवक्ता राकेश कुमार झा उपस्थित हुए। वहीं विधायक

रामकुमार टोप्पो की ओर से अधिवक्ता शरद मिश्रा ने पैरवी की। सुनवाई के दौरान प्रतिवादी पक्ष ने तर्क दिया कि याचिकाकर्ता ने स्वयं अपने नामांकन पत्र और शपथपत्र में सरकार के साथ अनुबंध होने की बात स्वीकार की है। यह अनुबंध जल जीवन मिशन के तहत था, जो जन प्रतिनिधित्व अधिनियम,1951 की धारा 9 के अंतर्गत अयोग्यता का आधार बनता है। ऐसे में याचिकाकर्ता बाद में अपनी अयोग्यता से इनकार नहीं कर सकता। अदालत ने दस्तावेजों और साक्ष्यों की जांच के बाद पाया कि याचिकाकर्ता ने स्वयं सरकारी अनुबंध की जानकारी दी थी।

सीएम विष्णुदेव साय ने सुना प्रधानमंत्री का 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम पर संबोधन

रायपुर,18 अप्रैल 2026। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने राजधानी रायपुर स्थित अपने निवास में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा राष्ट्र के नाम दिए गए 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम विषयक संबोधन का श्रवण किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने महिला सशक्तिकरण से जुड़े इस महत्वपूर्ण संदेश को गंभीरता से सुना और उपस्थित जनप्रतिनिधियों के साथ चर्चा भी की। इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास मंत्री मती लक्ष्मी राजवाड़े, रायपुर महापौर मती मीनल चौबे तथा महिला बाल संरक्षण आयोग की अध्यक्ष मती वर्णिका शर्मा सहित कई महिला जनप्रतिनिधि और गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री के संबोधन में महिलाओं की भागीदारी,अधिकारों और सशक्तिकरण को लेकर किए गए प्रयासों पर विशेष ध्यान दिया गया, जिसे उपस्थित सभी लोगों ने सराहा।

छत्तीसगढ़ में प्राइवेट स्कूल बंद का फ्लॉप शो! राजधानी रायपुर समेत बड़े शहरों में खुली रहीं स्कूलें,एसोसिएशन की अपील बेअसर

रायपुर,18 अप्रैल 2026। छत्तीसगढ़ में प्राइवेट स्कूल मैनेजमेंट एसोसियेशन द्वारा बुलाया गया एक दिवसीय स्कूल बंद पूरी तरह से बेअसर साबित हुआ। बड़े दावों और चेतावनियों के बावजूद राजधानी रायपुर सहित प्रदेश के कई प्रमुख शहरों–दुर्ग, बिलासपुर, भिलाई और कोरबा–में निजी स्कूल सामान्य दिनों की तरह खुले रहे। इस घटनाक्रम ने एसोसियेशन की ताकत और प्रभाव पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। सुबह से ही जिस बंद को लेकर जोरदार माहौल बनाने की कोशिश की जा रही थी,वह जमीनी हकीकत में कहीं नजर नहीं आया। रायपुर में अधिकांश निजी स्कूलों में बच्चों की उपस्थिति सामान्य रही, वहीं शिक्षकों ने भी नियमित रूप से अपनी जिम्मेदारियां निभाई। अभिभावकों ने भी बंद को लेकर कोई खास प्रतिक्रिया नहीं दी और बच्चों को स्कूल भेजा। वीडियो फुटेज और ग्राउंड रिपोर्ट के मुताबिक,स्कूल परिसरों में पढ़ाई पूरी तरह जारी रही। कहीं भी बंद जैसा माहौल नहीं दिखा।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050,डॉक रजिस्टर्ड क्र.:-13/सरगुजा/डीएन/2026-2028-मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)